सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 254 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 27 जून 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

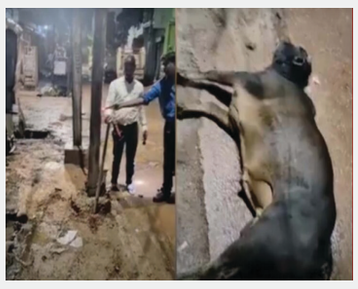

बारिश के कारण बिजली की पोल पर दौड़ा करंट, चपेट में आने से गाय की मौत

भिलाई। बारिश के साथ ही जगह जगह हादसे का दौर भी शुरू हो जाता है। कहीं पानी भर गया तो कहीं गड्?ढों में बाहक सवार गिर जाते हैं। इसी प्रकार बिजली गिरने की घटनाएं होती हैं। भिलाई शहर के बैकुंट धाम क्षेत्र में अलग ही हादसा हो गया। बारिश के कारण यहां एक बिजली के पोल पर ही करंट दौड़ने लगा। इससे पहले की पोल को कोई इंसान छूता एक गाय उसकी चपेट में आ गई। गाय की तड़प-तड़पकर मौत हो गई। गाय की मौत हुई तो लोगों को पता चला कि पोल पर करंट दौड़ रहा है। आनन फानन में बिजली विभाग को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची मेंटेनेंस की टीम ने फाल्ट सुधारा।

मिली जानकारी के अनुसार हादसा कैंप-2 बैकुंटधाम के पास की है। बीते तीन दिनों से शहर में लगातार बारिश हो रही है। सोमवार की रात 11 बजे रास्ते से गुजर रही गाय एक बिजली पोल के नजदीक से गुजर रही थी। इस दौरान अचानक गाय छटपटाने लगी और देखते ही देखते उसकी मौत हो गई। आसपास के लोगों ने यह नजारा देखा तो पोल के पास पहुंचे। लोगों ने टेस्टर से जांच की तो हैरान रह गए। क्योंकि बिजली के पोल में करंट था।

मेंटेनेंस टीम ने पहुंचकर सुधारा पोल से फॉल्ट

इसके बाद बिजली विभाग को सूचना दी गई। मेंटेनेंस टीम ने पहुंचकर तत्काल पॉवर सप्लाई बंद की और फाल्ट को सुधारा। इस हादसे में एक बेजुबान जानवर की मौत हो गई वहीं इसे लेकर मोहल्ले वालों में आक्रोश देखा गया। लोगों का कहना था कि गाय के साथ इंसान भी इसकी चपेट में आता तो उसकी भी मौत हो जाती। इस पूरे मामले में लोगों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

बीसीसीआई ने दिया बड़ा झटका : रायपुर में नहीं होंगे वनडे विश्वकप के मैच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आइसीसी वनडे विश्व कप 2023 का बेसब्री से इंतजार कर छत्तीसगढ़ के क्रिकेट प्रेमियों के लिए बुरी खबर है। बीसीसीआई ने एकदिवसीय विश्व कप का शेड्यूल जारी कर दिया है। वर्ल्ड कप 2023 का शेड्यूल जारी होने के बीच रायपुर में मैच के मेजबानी को लेकर छत्तीसगढ़ के क्रिकेट फैंस को बड़ा झटका लगा है। बीसीसीआई की ओर से जारी शेड्यूल के मुताबिक वर्ल्ड कप का एक भी मैच रायपुर में नहीं खेला जाएगा।

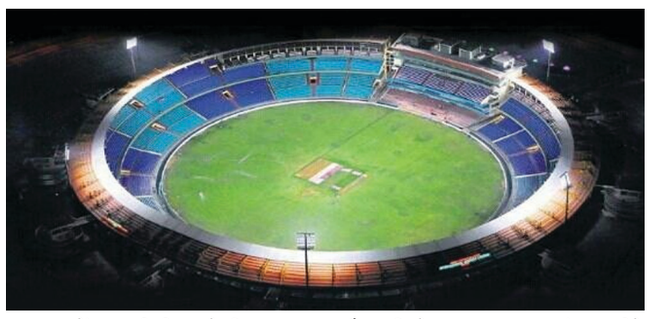

बता दें आइसीसी वनडे विश्व कप 2023 की मेजबानी भारत को मिलने के बाद पिछले कुछ समय से कयास लगाए जा रहे थे कि छत्तीसगढ़ को भी विश्वकप के मैचों की मेजबानी का मौका मिलेगा। अक्टूबर-नवंबर महीने में खेले जाने वाले वर्ल्ड कप 2023 के के दौरान रायपुर के शहीद वीरनारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेड़ियम को एक भी मैच की मेजबानी नहीं मिली है। विश्व कप के सभी मुकाबले भारत के 12 मैदानों पर खेले जाएंगे। इनमें हैदराबाद, अहमदाबाद, धर्मशाला, दिल्ली, चेन्नई, लखनऊ, पुणे, बेंगलुरु, मुंबई व कोलकाता शामलि हैं। हैदराबाद, गुवाहाटी व तिरुवनंतपुरम 29 सितंबर से तीन अक्तूबर तक अभ्यास मैचों की मेजबानी करेंगे।

रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के अलावा कई इंटरनेशनल स्तर के कई मैच खेले जा चुके हैं। यहां इसी साल 2023 में 21 जनवरी को भारत-न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला का दूसरा मैच खेला गया था। इसी वजह से क्रिकेट प्रेमी कयास लगा रहे हैं, रायपुर स्टेडियम को भी भारतीय टीम के एक मैच की मेजबानी मिल सकती है।

विश्वकप में भाग लेंगी 10 टीमें

इस विश्व कप में कुल 10 टीमें भाग लेंगी। आठ टीमें पहले ही इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं और बाकी दो स्थानों के लिए जिम्बाब्वे में क्वालिफायर राउंड खेला जा रहा है, जिसमें सुपर सिक्स में छह टीमें पहुंच चुकी हैं। इनमें से दो टीमें भारत में होने वाले विश्व कप के मुख्य राउंड में भाग लेंगी। फिलहाल शुरुआती दो विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज की टीम इस विश्व कप से बाहर होने की कगार पर है। श्रीलंका और जिम्बाब्वे के मुख्य दौर में खेलने की संभावना सबसे ज्यादा है। नौ जुलाई को विश्व में शामिल होने वाली बाकी दो टीमों का भी फैसला हो जाएगा। इस विश्व कप में सभी टीमें बाकी नौ टीमों के साथ राउंड रॉबिन फॉर्मेट में खेलेंगी। इनमें से अंक तालिका में शुरुआती चार स्थान पर रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी और यहां जीतने वाली टीमें फाइनल में भिड़ेंगी।

एक साथ पांच वंदेभारत एक्सप्रेस शुरु पीएम नरेन्द्र मोदी ने दिखाई हरी झंडी

भोपाल (एजेंसी)। मंगलवार को एक साथ पांच वंदेभारत एक्सप्रेस को शुरू किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से भोपाल- इंदौर वंदे भारत एक्सप्रेस, भोपाल-जबलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस सहित पांच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। भोपाल से इंदौर व जबलपुर के अलावा रांची-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस, धारवाड़-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस, गोवा (मडगांव)-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को पीएम मोदी ने वर्चुअली हरी झंडी दिखाई।

इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र की जनता को इस आधुनिक वंदे भारत ट्रेन की कनेक्टिविटी के लिए बहुत बधाई देता हूं। एमपी को विशेष बधाई दूंगा। यहां एक साथ दो वंदे भारत ट्रेन मिली हैं। अभी तक यात्री भोपाल से दिल्ली के बीच वंदे भारत के सफर का आनंद ले रहे थे। अब भोपाल से इंदौर, रानी कमलापति से जबलपुर का सफर तेज, आधुनिक, सुविधा संपन्न होगा। इसी प्रकार देश के अन्य 6 शहरों के बीच भी वंदेभारत एक्सप्रेस के चलने से रेल सफर का रोमांच बढ़ेगा और यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव की कैंपेनिंग भी की

प्रधानमंत्री मोदी ने भोपाल में मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनाव और 2024 लोकसभा इलेक्शन के लिए चुनाव प्रचार की शुरुआत भी की। मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' अभियान के तहत 543 लोकसभाओं के 10 लाख और मध्यप्रदेश के 64,100 बूथ के कार्यकर्ताओं को डिजिटली संबोधित किया। यहां सभी राज्यों के विधानसभा क्षेत्रों से 3 हजार कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

वोटबैंक के भूखे कर रहे मुस्लिम बेटियों के साथ अन्याय

पीएम ने कहा, जो भी तीन तलाक के पक्ष में बात करते हैं, वकालत करते हैं, ये वोटबैंक के भूखे लोग मुस्लिम बेटियों के साथ बहुत बड़ा अन्याय कर रहे हैं। तीन तलाक से नुकसान का दायरा बड़ा है। बहुत अरमानों से पिता अपनी बेटी को ससुराल भेजता है। 8-10 साल बाद बेटी वापस आती है, तो उनका परिवार चिंता में दुखी हो जाता हैं। प्रधानमंत्री ने कहा तीन तलाक का इस्लाम से संबंध होता तो दुनिया के मुस्लिम बहुल्य देश इसे खत्म नहीं करते।

बिलासपुर में अरपा-भैंसाझार बैराज से पानी छोड़ने की तैयारी, शहर में अलर्ट जारी

■ आपात स्थिति के लिए निगम ने बनाया कंट्रोल रूम

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर सहित अन्य जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। ऐसे में जल संसाधन विभाग ने अरपा भैंसाझार बैराज से नदी में पानी छोड़ने की तैयारी कर ली है। इसके लिए शहर और आसपास के गांव में अलर्ट जारी किया गया है। बाढ़ के हालात से निपटने के लिए नगर निगम ने भी बाढ़ नियंत्रण कक्ष बनाया है और बरसात में जल निकासी की समस्या और अरपा नदी में जल स्तर के बढ़ने से किसी तरह की समस्या होने पर जानकारी देने के लिए कहा है।

मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी के साथ यलो अलर्ट जारी किया है। मंगलवार सुबह से बारिश शुरू हो गई है। अनुमान के हिसाब से बारिश अभी कम है। बिलासपुर, पेंड्रा, मुंगेली, दुर्ग, बेमेतरा और कबीरधाम जिलों में दोपहर में भारी से अतिभारी बरसात हो सकती है। पिछले दो-तीन दिन से लगातार हो रही बारिश से अरपा भैंसाझार बैराज में जलभराव होने लगा है। अरपा भैंसाझार बैराज वर्तमान में 26.19 फीसदी भरा है।

थोड़ी सी बारिश में यहां लबालब पानी भर जाता है और पानी अरपा में छोड़ना पड़ता है अरपा भैंसाझार का कैचमेंट एरिया पेंड्रा के आसपास के क्षेत्र तक फैला है और यह उंचाई पर है। इसलिए उस क्षेत्र में होने वाली बारिश का पानी यहां जल्दी भरता है। अभी दो दिनों से जलभराव में बढ़ोतरी हुई है। बारिश लगातार हुई तब बैराज से पानी अरपा में छोड़ना पड़ सकता है। ऐसे में जल संसाधन विभाग ने अरपा नदी में पानी छोड़ने की चेतावनी दी है।

मौसम विभाग ने दी मुसलाधार बारिश की चेतावनी

मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया है कि देश में मानसून को आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई है। एक निम्न दाब का क्षेत्र उत्तर अंदरूनी ओडिशा और उससे लगे दक्षिण झारखंड और उत्तरी छत्तीसगढ़ के ऊपर स्थित है, इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। मंगलवार और बुधवार की रात 8:30 बजे तक बिलासपुर, पेंड्रा, मुंगेली सहित प्रदेश के राजनांदगाव और कबीरधाम जिलों में मूसलाधार बारिश होने की संभावना है।

पहले कांग्रेस का मतलब तो समझ लो

श्रीकंचनपथ

देश की सत्ताधारी पार्टी का एजेंडा है 'कांग्रेस मुक्त भारत'। पर क्या उसे कांग्रेस का मतलब भी पता है? जब लोग किसी एक उद्देश्य को लेकर एक साथ आते हैं तो उसे कांग्रेस कहते हैं। 1885 में जब इसकी स्थापना हुई तो इसका प्रमुख उद्देश्य भारतीयों के लिए सत्ता में अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में इसी पार्टी ने पहली बार एक राष्ट्रव्यापी स्वाधीनता आंदोलन शुरू किया। मारकाट से युद्ध जीतने वाली दुनिया को अहिंसा का अमोघ अस्त्र दिया। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ यह पहला संगठित आंदोलन था जो बाद में अनेक देशों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। आजादी के बाद नेहरू ने देश को आत्मनिर्भर बनाने सार्वजनिक क्षेत्र की स्थापना की, पंच वर्षीय योजनाओं की नींव रखी. इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े किए, बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया। राजीव गांधी ने देश में तमाम विरोधों के बीच कम्प्यूटर युग की शुरुआत की। पर कुछ लोगों को इसमें सिर्फपरिवारवाद दिखता है। आज सरकार उधार का बुलेट ट्रेन खरीद रही है, देश के संसाधन धनकुबेरों को सौंप रही है, बहुराष्ट्रीय कंपनियों को भारत बुला रही है। बहुसंख्यकों को रिझाने के लिए देश को गृहयुद्ध में धकेल रही है। मजे की बात यह है कि इसका ठीकरा भी वह कांग्रेस पर फोड़ने की कोशिश कर रही है। वह लोगों को यकीन दिलाने की कोशिश कर रही है कि कुछ ही सालों में यह देश मुसलमानों या ईसाइयों का हो जाएगा और हिन्दू अल्पसंख्यक हो जाएंगे। अर्थात, जो काम ईसाई 2000 साल में नहीं कर पाए, मुसलमान 1600 साल में नहीं कर पाए, वह अब हो जाएगा. बीमारी से लेकर अवर्षा तक के लिए पूजा-पाठ की शरण में जाने वाले अंधविश्वासी इसपर भी यकीन कर रहे हैं। भाजपा नेता केदार कश्यप और कांग्रेस नेता कवासी लखमा के बीच धर्मांतरण पर वाकयुद्ध हो रहा है। केदार कह रहे हैं कि समूचे कांग्रेस का धर्मांतरण हो गया है। मजबूर होकर स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव को कुर्ते के बटन खोलकर अपना लाकेट दिखाना पड़ता है। सवाल यह उठता है कि जिस सनातन संस्कृति ने विश्व को प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया, वहां प्रेम का मतलब जिहाद हो गया? यह हो क्या रहा है देश में? देश के भीतर एक कौम की आर्थिक नाकेबंदी की जा रही है तो दूसरे के खिलाफहिंसक आंदोलन हो रहे हैं। यह तो सरासर उकसाने वाली हरकते हैं. मंशा इस उकसावे से होने वाली घटनाओं का उपयोग भी उन्हीं के खिलाफकरने की है। राजनीति इतनी गंदी हो सकती है? सनद् रहे कि जब फूलन जैसी बेचारी को भी जरूरत से ज्यादा प्रताड़ित और अपमानित किया जाता है तो वह भी बीहड़ों में जाकर बंदूक उठा लेती है और बेहमई हो जाता है। कमरे में बंद बिल्ली भी शेरनी से ज्यादा खतरनाक होती है। बेहतर हो सरकार राष्ट्रधर्म और राजधर्म का पालन करे। वरना इतिहास उसे कभी माफनहीं करेगा।

संपादकीय

दिल्ली की चिंता

नई दिल्ली में प्रगति मैदान सुरंग के अंदर दिनदहाड़े लूट बहुत गंभीर और दुखद है। दो मोटरसाइकिल पर आए चार बदमाशों ने व्यस्त सड़क पर बंदूक की नोक पर एक टैक्सी को रोककर लूट लिया। लगभग दो लाख रुपये की नकद राशि बड़ी आसानी से ले भागे। ऐसा नहीं है कि पहली बार किसी एजेंट को लूटा गया हो या दो लाख रुपये की राशि बहुत ज्यादा हो, मगर गौर करने की बात यह है कि बदमाशों ने निडर होकर कैसे खुलेआम लूट को अंजाम दिया है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि दिल्ली में अब लगभग चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और शहर में किसी भी तरह की गलत सक्रियता को चिह्नित किया जा सकता है। इसके बावजूद बदमाशों का दुस्साहस सोचने पर मजबूर करता है? बताया जाता है, सुरंग में 16 सुरक्षा गार्ड की तैनाती है, मगर घटना के समय वहां एक भी गार्ड नहीं था। सुरंग के अंदर सुरक्षा नहीं है, तभी तो जो बदमाश पीड़ितों का चांदनी चौक से पीछा कर रहे थे, उन्होंने सुरंग में पहुंचते ही अपराध को अंजाम दे दिया।

> जिस शहर में करोड़ों लोग रहते हों, वहां के सुरक्षा इंतजाम सैन्य स्तर के होने चाहिए। जैसे सीमा पर निगरानी होती है, वैसे ही दिल्ली में भी निगरानी तंत्र होना चाहिए। लुटेरे पकड़े जाएंगे, लेकिन यह सोचना चाहिए कि बाकी लुटेरों तक क्या संदेश पहुंचना चाहिए। दुनिया की जो सुरक्षित राजधानियां हैं, उनसे सीखने में भी कोई हर्ज नहीं है? हालांकि, आबादी का भारी दबाव अगर हम देखेंगे, तो पाएंगे कि दिल्ली के लिए अति विशेष इंतजाम का समय आ गया है।

दिल्ली में लोगों में जागरूकता भी अपेक्षाकृत कम लगती है। जैसे बताया जाता है कि लूट के इस मामले में पीड़ित ने तत्काल पुलिस को सूचित नहीं किया। ऐसा क्यों किया गया? यह उदासीनता बहुत दुखद है। दिल्ली में ही एक सर्वेक्षण हुआ था, जिसमें भाग लेने वाली 80 प्रतिशत महिलाएं कभी न कभी शोषण का शिकार हुई थीं, पर उनमें से महज एक प्रतिशत ने ही शिकायत दर्ज कराने की हिम्मत दिखाई थी। क्या दिल्ली में लोग अपराध से डरने लगे हैं? प्रगति मैदान सुरंग में लूट के समय भी तमाशबीन गुजर रहे थे, किसी ने शोर मचाने या अपनी ओर से शिकायत की जरूरत नहीं समझी। राष्ट्रीय राजधानी में समाज और सामाजिक संगठनों को अपराध के विरुद्ध कुछ करना होगा? यहां अपराध के आंकड़ों में जाना कतई जरूरी नहीं है, यहां दिल्ली के विशाल पुलिस बल का आकार-प्रकार देखना प्राथमिकता नहीं है। प्राथमिकता है, लोगों की सजगता, अपने शहर के बारे में लोगों के विचार की समीक्षा करना। क्या दिल्ली में रहने वाले यहां के माहौल को गर्मजोशी भरा न सही, सहज रूप से सुरक्षित और शालीन बनाने के बारे में कभी सोचते हैं? इस महानगर में रोज सैकड़ों बैठकें-सभाएं होती हैं, लेकिन क्या किसी में सुरक्षा का मुद्दा विमर्श में आता है? क्या यहां का आम आदमी अपनी सुरक्षा को लेकर कभी मुखर होता है? बुनियादी रूप से समझ लेना चाहिए कि ऐसे अपराधों को रोकने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी आम लोगों और समाज पर ही है।

देश की राष्ट्रीय राजधानी चोरों, लुटेरों, अपराधियों के लिए नर्क होनी चाहिए। क्या पुलिस-प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है? क्या तमाम सुरक्षा गार्ड और सीसीटीवी कैमरे सही काम कर रहे हैं? अपराधियों के साथ परोक्ष या प्रत्यक्ष ढंग से नरमी तो नहीं बरती जा रही है? राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पुलिस के आला अधिकारियों को युद्ध स्तर पर सुरक्षा प्रबंध करने चाहिए। जिस शहर में करोड़ों लोग रहते हों, वहां के सुरक्षा इंतजाम सैन्य स्तर के होने चाहिए। जैसे सीमा पर निगरानी होती है, वैसे ही दिल्ली में भी निगरानी तंत्र होना चाहिए। लुटेरे पकड़े जाएंगे, लेकिन यह सोचना चाहिए कि बाकी लुटेरों तक क्या संदेश पहुंचना चाहिए। दुनिया की जो सुरक्षित राजधानियां हैं, उनसे सीखने में भी कोई हर्ज नहीं है? हालांकि, आबादी का भारी दबाव अगर हम देखेंगे, तो पाएंगे कि दिल्ली के लिए अति विशेष इंतजाम का समय आ गया है।

> **प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका यात्रा में कई बार बहुलता, सहिष्णुता और सबका साथ-सबका विश्वास जैसे शब्द इस्तेमाल किए। वजाहत ने अपने वी-लॉग में माना है कि ये शब्द अमेरिकी कानों को बड़े मीठे लगते हैं और इसी जगह पाकिस्तान भारत से मात खा गया। मगर हमें उनका यह कथन भी याद रखना चाहिए कि इस ग्लोबल दुनिया में हमारे हर दावे को बड़े करीब से जांचा-परखा जाता है और हमें अपने कारनामों से भी उन्हें साबित करना होगा।**

अमेरिका में हमारे काम आया लोकतंत्र

विभूति नारायण राय, पूर्व कुलपति/साहित्यकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया अमेरिका यात्रा किस हद तक सफल रही और इसके फलस्वरूप दोनों देशों, खासतौर से भारत ने क्या खोया-क्या पाया, इसका दुनिया भर के मीडिया और राजनीतिक विश्लेषकों द्वारा भिन्न दृष्टिकोणों से आकलन हो रहा है। इन सबके बीच एक पाकिस्तानी यू-टूबर वजाहत एस खान का वी-लॉग (वीडियो ब्लॉग) मुझे कई अर्थों में इतना उल्लेखनीय लगा कि मैं इस यात्रा का आकलन उसके द्वारा रेखांकित की गई भारतीय उपलब्धि को केंद्र में रखकर करना चाहूंगा। इस वी-लॉग पर बात करने से पहले वजाहत की पृष्ठभूमि को जान लेना उपयोगी होगा। वह एक पाकिस्तानी पत्रकार हैं, जो फ्रीलांसिंग करते हुए अमेरिका के एक थिंक टैंक के साथ जुड़े हुए हैं। वह पाकिस्तानी फौज, खासतौर से पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल राहिल शरीफ से अपनी निकटता के लिए जाने जाते थे। फिलहाल इमरान खान से सहानुभूति के चलते सेना के वर्तमान नेतृत्व से उनकी खटपट चल रही है और देश में उनके खिलाफ मुकदमे कायम हो गए हैं।

स्वाभाविक था कि वजाहत ने पाकिस्तानी हितों को ध्यान में रखकर यह वी-लॉग किया है, और उनकी चिंता के केंद्र में मोदी की यात्रा से अमेरिका में बढ़ता भारतीय प्रभाव और उसके फलस्वरूप अमेरिकी नीति-निर्धारकों के लिए पाकिस्तान का सिकुड़ता स्पेस था, पर इन सबके पीछे उन्होंने जो कारण तलाशा, वह बहुत महत्वपूर्ण है। वजाहत के अनुसार, इसके पीछे लोकतंत्र था और जिसका इस दौरे में नरेंद्र मोदी और जो बाइडन, दोनों ने भरपूर इस्तेमाल किया। यात्रा के दौरान लगभग हर मौके पर दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्र का जिक्र आया, यहां तक कि जब प्रेस-कॉन्फ्रेंस के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री को एक मुस्लिम पत्रकार ने उनकी सरकार द्वारा मुसलमानों के साथ की जाने वाली 'ज्यादती' को लेकर घेरने की कोशिश की, तो उनके बचाव में भी यही लोकतंत्र काम आया।

यात्रा के दौरान बार-बार दोहराया गया कि भारत और अमेरिका के डीएनए में ही लोकतंत्र है। डीएनए में लोकतंत्र का सबसे सरलीकृत अर्थ यह होना चाहिए कि दोनों समाज उठते-बैठते लोकतंत्र बरतते हैं। मगर क्या ऐसा है? यह कम महत्वपूर्ण नहीं है कि शासक जनता द्वारा चुने और बदले जाएं, मगर लोकतंत्र का मतलब सिर्फ एक निश्चित अवधि के बाद होने वाला चुनाव नहीं है। लोकतंत्र तो सत्ता की सबसे छोटी इकाई परिवार के अंदर से होते हुए सड़क से गुजरकर सत्ता के केंद्र संसद तक दिखना चाहिए। इस मामले में दोनों समाज अद्भुत विरोधाभासों से ग्रस्त नजर आते हैं।

कोई शक नहीं कि ढाई सौ सालों से अधिक समय से क्रियाशील अमेरिकी लोकतंत्र सबसे पुराना है, पर यह भी सच है कि दुनिया भर में लोकतांत्रिक सरकारों को उखाड़ फेंकने और सैन्य तानाशाही को स्थापित करने में भी इसका योगदान जबर्दस्त रहा है। लगातार असुरक्षा बोध से ग्रस्त इसने हथियारों की दौड़ में दुनिया भर को मुब्तिला कर रखा है। जरूरत न होने पर भी केवल परीक्षण करने के लिए इसने आणविक हथियारों तक का इस्तेमाल किया। इंग्लिश, डच, फ्रेंच या स्पैनिश उपनिवेशवादियों की तरह भले इसने सुदूर भू-भागों में कॉलोनियां नहीं कायम कीं, मगर नव-उपनिवेशवादी नीतियों पर चलते हुए बहुराष्ट्रीय कंपनियों के जरिये अपने आर्थिक उपनिवेश कायम किए। उसके सैन्य उत्पादन कॉरपोरेशन दुनिया भर की सरकारों की आर्थिक और विदेश नीतियां संचालित करते हैं।

इन सबके बावजूद अमेरिका का आंतरिक लोकतंत्र उसके सबसे मुखर विरोधी रूस या चीन जैसे देशों के लिए बड़ी ईर्ष्या का विषय हो सकता है। इस देश का सत्ता-प्रतिष्ठान वियतनाम पर 'कार्पेट बॉम्बिंग' करता है, लेकिन जनता को यह सुविधा भी हासिल है कि वह लाखों की संख्या में सड़कों पर उतरकर अपनी सरकार की युद्ध नीतियों का विरोध करे और उसे अपनी नीतियां बदलने को विवश कर सके। यह एक दिलचस्प तथ्य है कि दुनिया में अमेरिका के धुर विरोधी दर्शन मार्क्सवाद और इस्लाम के पुरोधाओं की आमतौर से इच्छा होती है कि उन्हें या उनके परिजनों के अमेरिका में बसने के रास्ते खुल जाएं। इस तथ्य से भी कौन इनकार कर सकता है कि नोम चोमस्की भी अमेरिका में ही खुलकर काम कर सकते हैं, रूस या चीन में तो उनकी जगह जेल ही हो सकती थी। यही आंतरिक अंतर्विरोध अमेरिका की ताकत है।

भारतीय लोकतंत्र ने भी अंतर्विरोधों से भरा डगमगाता सफर तय किया है। इसने हमें एक अद्भुत संविधान दिया, जिसने आधुनिक अर्थों में समानता की परिकल्पना की है। पहली बार सारे भारतीय धर्म, जाति, लिंग या संपत्ति के बावजूद कानून के सामने बराबर घोषित हुए। यह भाषिक सौंदर्य के लिए कहा जरूर गया, पर यह पूरी तरह से सच नहीं हो सकता कि भारत के डीएनए में लोकतंत्र है। लोकतंत्र की पहली शर्त नागरिकों की समानता है और वर्ण-व्यवस्था से संचालित समाज में यह संभव ही नहीं था। हां, यह जरूर उल्लेखनीय है कि असमानता की गहरी जड़ों के बावजूद बिना खून-खराबे के हमने नागरिक समानता लागू करने वाला संविधान स्वीकार कर लिया और पिछले 75 वर्षों में मंथर गति से ही सही, असमानता कम करने में लगे हुए हैं।

लोकतंत्र का एक चमत्कार अल्पसंख्यकों और राज्य के रिश्तों पर भी दिखता है। आरएसएस के पूर्व प्रमुख और भाष्यकार गुरु गोलवलकर ने अपनी पुस्तक विचार नवनीत में जिन तीन शत्रुओं की शिनाख्त की थी, उनमें दो- मुसलमान और ईसाई थे। मौजूदा संघ प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयान उनकी राय से मेल नहीं खाता। भागवत ने तो मस्जिदों में शिवलिंग ढूढ़कर तनाव पैदा करने की प्रवृत्ति की निंदा की है। यह सही है कि भाजपा के मौजूदा सांसदों में एक भी मुसलमान नहीं, पर यह भी सही है कि लोकतंत्र ने पार्टी को प्रेरित किया है कि वह मुसलमानों व ईसाइयों में अपनी पहुंच बनाए। यह सब लोकतंत्र की ही देन है।

लोकतंत्र सिर्फ चुनावों तक सीमित नहीं हो सकता, चुनावों के बीच भी उसे हमारे जीवन का अंग बनना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका यात्रा में कई बार बहुलता, सहिष्णुता और सबका साथ-सबका विश्वास जैसे शब्द इस्तेमाल किए। वजाहत ने अपने वी-लॉग में माना है कि ये शब्द अमेरिकी कानों को बड़े मीठे लगते हैं और इसी जगह पाकिस्तान भारत से मात खा गया। मगर हमें उनका यह कथन भी याद रखना चाहिए कि इस ग्लोबल दुनिया में हमारे हर दावे को बड़े करीब से जांचा-परखा जाता है और हमें अपने कारनामों से भी उन्हें साबित करना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सौ साल से भारतीय संस्कारों की एक पाठशाला है गीताप्रेस

राम मोहक पाठक, कुलपति और शिक्षाविद्

श्रुति, स्मृति और पुराण की समृद्ध भारतीय ज्ञान परंपरा को पूरी एक सदी से, जीवंत रूप में पीढ़ियों को हस्तांतरित करती आ रही प्रकाशन संस्था 'गीताप्रेस' का योगदान अतुलनीय है। इसको प्रतिष्ठित 'महात्मा गांधी शांति पुरस्कार' प्रदान करने की जहां खूब प्रशंसा हो रही है, वहीं इसके कुछ आलोचक भी हैं। कुल मिलाकर, इस संस्था के विगत 100 वर्षों के योगदान का स्मरण व्यापक भारतीय समाज के लिए प्रेरणादायक है।

सौ साल पहले गीता के अनन्य उपासक जयदयाल गोयन्दका ने देश भर में घूम-घूमकर गीता को लोगों के मन-मस्तिष्क तथा घरों तक पहुंचाया, किंतु उन्होंने गीता की मुद्रित प्रतियों की आवश्यकता को समझा। इसलिए उन्होंने कोलकाता के वणिक प्रेस (बानिक प्रेस) से गीता की 500 प्रतियां मुद्रित कराईं, किंतु इसमें अनेक अशुद्धियों के कारण हुई चर्चाओं से प्रेरित या आहत होकर उन्होंने अपने सहयोगियों के सुझाव और प्रयास से 1923 में गीताप्रेस की स्थापना की। अब गीताप्रेस को महात्मा गांधी शांति पुरस्कार दिए जाने के अवसर पर इसके लिए महात्मा गांधी के सुझाव स्मरणीय हैं। सात्विक, धार्मिक, शिष्ट, सस्ती धार्मिक पुस्तकों के प्रकाशन के गीताप्रेस के संकल्प का अनुमोदन करते हुए गांधीजी ने इसकी पत्रिका कल्याण की नीति के बारे में स्वयं से (महात्मा गांधी से) सुझाव मांगने पर कहा था, 'बाहरी कोई विज्ञापन मत छापना और पुस्तकों की समीक्षा मत छापना।' गांधी के ये मार्गदर्शक सिद्धांत गीताप्रेस की अमूल्य थाती हैं और इसके प्रकाशनों की अब तक प्रकाशित-वितरित 93 करोड़ पुस्तक-प्रतियों और 1.6 लाख प्रसार वाली प्रतिष्ठित पत्रिका कल्याण में कोई भी विज्ञापन प्रकाशित नहीं किए गए।

यद्यपि गीताप्रेस के संकल्पवान संस्थापक जयदयाल गोयन्दका थे, पर उनके बाद जब इसका संचालन पूर्ण रूप से हनुमान प्रसाद पोद्दार के हाथों में आया, तब इस संस्थान का उल्लेखनीय उत्थान हुआ। पोद्दार ने गांधीजी के संपर्क में आकर इस संस्थान को धार्मिक, आध्यात्मिक पुनर्जागरण और स्वाधीनता संग्राम के प्रेरणा केंद्र के रूप में विकसित किया। उन्होंने लिखा है, 'मेरा गांधीजी से पिता-पुत्र का संबंध रहा। ...महात्मा जी मुंबई मेरे घर पर भी कई बार आए।' गांधीजी के लेख और विचार कल्याण में निरंतर प्रकाशित होते रहे। कल्याण के प्रथम अंक अगस्त 1926 में गांधीजी का लेख स्वाभाविक किसे कहेंगे!' प्रकाशित हुआ। गांधीजी बाद में कल्याण पत्रिका में निरंतर लिखते रहे। पोद्दार और गांधी, दोनों की ही अपने विचारों के प्रति प्रतिबद्धता सर्वज्ञात है। यद्यपि गांधी के कई विचारों के पोद्दार समर्थक नहीं थे, पर गांधी के प्रति उनका आदरभाव कम नहीं रहा। गांधीजी के निधन पर उन्होंने लिखा था, 'महात्मा जी के चले जाने से विश्व ने एक बड़ी निधि को खो दिया है ...! पर वे जो संदेश छोड़ गए हैं, वह अमर है...!'

गांधीजी ने कल्याण में 20 मौलिक लेख लिखे। इसके अलावा उनके अन्य उद्धृत 23 लेख या प्रसंग कल्याण में समय-समय पर प्रकाशित हुए। इन लेखों में ईश्वर प्रार्थना, अपरिग्रह, आस्वाद व्रत, ईश्वर है?, भक्ति के नाम पर भोग, हिंदू विधवा, वनस्पति घी में जीवन तत्व का अभाव, वनस्पति का खतरा तथा बहादुर बनो लेख अत्यंत चर्चित और प्रासंगिक हैं। कल्याण पर शोध करने वाले रजनीश चतुर्वेदी के अनुसार, इस पत्रिका में प्रकाशित गांधी की लेखनी- राम अटल रहे, भगवान श्री कृष्ण के चरित्र का रहस्य और श्रीरामचरितमानस से श्रद्धा की प्राप्ति सार्वकालिक महत्व की हैं।

धार्मिक, शिष्ट, सात्विक, सस्ती धर्म-अध्यात्म की प्रकाशित पुस्तकों के साथ ही मासिक कल्याण (1926 से अब तक) गीताप्रेस द्वारा भारतीय साहित्य की अमूल्य निधि है। कल्याण की वर्तमान टीम के प्रमुख कृष्ण कुमार खेमका के अनुसार, 1923 से अब तक 93 करोड़ पुस्तकें, 15 भाषाओं में 1850 धार्मिक आध्यात्मिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। श्रीरामचरिमानस की 35 करोड़ और श्रीमद्भगवद्गीता की 16 करोड़ प्रतियां घर-घर में पहुंच चुकी हैं। गीताप्रेस के प्रकाशनों की कोविड काल में बिक्री काफी बढ़ी। निरंतर गतिमान, प्रवहमान अध्यात्म और भारतीय ज्ञानधारा की गंगोत्री गीताप्रेस वस्तुत किसी विश्व धरोहर से कम नहीं है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अनुभव बनाम पहचान

डर आपको पहचान का आश्रय लेने के लिए प्रेरित करता है। मगर सत्य का बोध स्वयं के साथ यात्रा के बिना नहीं हो सकता। यदि आप लंगर डाले हुए हैं, तो दूर तक यात्रा नहीं कर सकते।

आप अपनी पहचान किसी समूह, किसी देश से क्यों जोड़ते हैं? आप खुद को ईसाई या हिंदू क्यों कहते हैं? या आप असंख्य संप्रदायों में से किसी एक से क्यों जुड़े हैं? दरअसल, व्यक्ति धार्मिक व राजनीतिक तौर पर विभिन्न परंपराओं आदतों, पूर्वाग्रहों आदि के जरिये इस या उस समूह के साथ अपनी पहचान बनाता है। यह पहचान उसकी सारी रचनात्मक समझ को खत्म कर देती है, और फिर वह पार्टी प्रमुख, पुजारी या पसंदीदा नेता के हाथों का एक उपकरण मात्र बन जाता है।

एक दिन किसी ने कहा कि वह 'कृष्णमूर्तिपंथी' हैं, जबकि फलां दूसरे समूह के हैं। जब वह ऐसा कह रहे थे, तब इस पहचान के निहितार्थों से पूरी तरह अनजान थे। वह कोई मूर्ख व्यक्ति नहीं थे; बल्कि बहुत पढ़े-लिखे व सुसंस्कृत व्यक्ति थे। वह 'कृष्णमूर्ति-भक्त' क्यों बन गए? दरअसल, वह दूसरों का अनुसरण कर चुके थे, कई थके हुए समूहों और संगठनों से जुड़े रह चुके थे, और अंतत एक विशेष व्यक्ति के साथ उन्होंने अपनी पहचान जोड़ ली। उन्होंने जो कहा, उससे यही लगा कि सफर खत्म हो गया है। उन्होंने एक स्टैंड ले लिया और मामला अब खत्म हो गया; अब कोई भी चीज उनको हिला नहीं सकती। वह अब आराम से बैठ जाएंगे और उत्सुकता से उन सभी बातों का पालन करेंगे, जो कहा गया है और कहा जाने वाला है।

जब हम किसी से जोड़कर खुद को पहचानते हैं, तो क्या यह प्यार का संकेत है? क्या पहचान का अर्थ प्रयोग है? क्या पहचान प्यार और प्रयोग को खत्म नहीं कर देती? निस्संदेह, पहचान कब्जा है, प्रभुत्व का दावा है; और प्रभुत्व प्रेम को अस्वीकार करता है। प्रभुत्व का अर्थ होता है सुरक्षित होना, स्वयं को अजेय बनाना। जहां रक्षा होती है, क्या वहां प्रेम हो सकता है?

प्रेम संवेदनशीलता की पराकाष्ठा है, और पहचान संवेदनहीनता पैदा करती है। पहचान और प्यार एक साथ नहीं चल सकते, क्योंकि ये एक-दूसरे को नष्ट कर देते हैं। पहचान मूलत एक विचार प्रक्रिया है, जिसके जरिये मन अपनी सुरक्षा करता है और अपने को विस्तार देता है; और कुछ बनने के लिए उसे प्रतिरोध व बचाव करना होगा; उसे अपनाना और त्यागना होगा। पहचान स्वतंत्रता को नष्ट कर देती है और स्वतंत्रता में ही संवेदनशीलता का उच्चतम रूप हो सकता है।

प्रयोग करने के लिए कोई डर नहीं होना चाहिए। डर अनुभव को रोकता है। यह डर ही है, जो आपको किसी व्यक्ति, समूह या विचारधारा से जुड़कर पहचान बनाने को प्रेरित करता है। मगर इस डर को दबाना चाहिए; क्योंकि सत्य को बोध या खुशी स्वयं के साथ यात्रा के बिना नहीं आ सकती। यदि आप लंगर डाले हुए हैं, तो आप अधिक दूर तक यात्रा नहीं कर सकते।

जे कृष्णमूर्ति

बिपरजॉय से सुनियोजित और समन्वित तरीके से निपटना एक विलक्षण उपलब्धि

अतुल करवाल, आईपीएस, महानिदेशक, एनडीआरएफ द्वारा

बेहद भीषण चक्रवाती तूफान बिपरजॉय 15 जून की शाम 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से कच्छ के समुद्र तट से टकराया और उसने पूरे गुजरात और राजस्थान में भारी तबाही मचाई। प्रकृति के ऐसे प्रकोप के सामने आपदा रोधी प्रणाली की एकमात्र उपलब्धि यही रही कि गुजरात में इस तूफान के टकराने के बाद एक भी व?यक्ति की जान नहीं गई। यह ऐसी भयावह आपदाओं का सामना करने की दिशा में राष्ट्र की क्षमता में उ?तरोत?तर हो रही वृद्धि का प्रमाण है, क?योंकि इससे पहले 1999 में ओडिशा में आए सुपर चक्रवात में 9,887 और 2020 में आए सुपर चक्रवात अम्फान में 128 लोगों की मौत हुई थी।

बिपरजॉय से सुनियोजित और समन्वित तरीके से निपटना एक अभूतपूर्व उपलब्धि है जिसका विश्लेषण और पुनरावृत्ति करने की आवश?यकता है। भारत द्वारा एक के बाद एक तीन बड़ी आपदाओं- 1999 में ओडिशा में आया सुपर चक्रवात, 2001 में कच्छ में आया भूकंप और 2004 में आई सुनामी- का सामना किए जाने के बाद राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के समर्पित ढांचे की स?थापना की गई। इस बात का अहसास होने पर कि शमन, जोखिम में कमी और आपदा से निपटने की दिशा में किए गए प्रयास आपदा के समय लाभप्रद रहते हैं, ऐसी भीषण आपदाओं से निपटने की हमारी क्षमता में सुधार लाने पर व?यापक ध्यान दिया जा रहा है। यह इस बात के मद्देनजर भी उचित है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे अधिक आपदाओं की आशंका वाला देश है। केंद्र सरकार ने 2006 में आठ बटालियनों के साथ स्थापित किए गए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की क्षमता को विशेष रूप से मजबूती प्रदान की है और अब इसकी बटालियनों की संख?या बढ़कर सोलह हो गई है। प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री ने विशेष रूप से पिछले कुछ वर्षों में आपदा संबंधी तैयारियों और इससे निपटने की कार्रवाई की व्यक्तिगत निगरानी करते हुए भारत को आपदा प्रतिरोधी बनाने पर बहुत जोर दिया है। प्रधानमंत्री ने 2016 में दिल्ली में एशियाई मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में अपने द्वारा प्रतिपादित 10 सूत्री कार्यक्रम और आपदा रोधी अवसंरचना के लिए केंद्र की स्थापना के द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण का एक विजन भी प्रदान किया; इस पहल में 40 से अधिक देश पहले ही शामिल हो चुके हैं।

बिपरजॉय का सफलतापूर्वक सामना करने में आपदा से निपटने की तैयारी में किसी भी तरह की खामी न होने ने भी योगदान दिया। अरब सागर के पार बिपरजॉय की असामान्य धीमी प्रगति ने हमें इसके लिए पर्याप्त समय दिया। देश के सर्वोच्च पदाधिकारियों की देखरेख और उनके निरंतर प्रोत्साहन और प्रेरणा की बदौलत एनडीआरएफ दुनिया में अपने आप में परिपूर्ण, साल भर सक्रिय, समर्पित आपदा मोचन बल की एक ऐसी अनूठी मिसाल बन चुका है, जिसके पास अब सभी प्रकार की मानव निर्मित और प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावशाली रूप से निपटने का सामर्थ?य मौजूद है। यह इस साल 6 फरवरी को तुर्किये में आए विनाशकारी भूकंप में हमारी ओर से की गई प्रतिक्रिया से भी प्रदर्शित हुआ, जब भारत सबसे त?वरित प्रतिक्रिया देने वाले देशों में से एक रहा। इतना ही नहीं, एनडीआरएफ के 152 बचावकर्मियों और पैरा फील्ड अस्पताल के 99 कर्मियों के साथ भारत का दर्?ता सबसे विशालतम दर्?ता था। प्रशंसा की पात्र है भारतीय वायु सेना; उसके कुशल पायलट और विमान, जिन?होंने हमारे वाहनों तक को तुर्किये पहुंचाया, जिनकी बदौलत हमारे एनडीआरएफ के बचावकर्मी वहां पहुंचने के साथ ही मामूली स्थानीय मदद से सहायता कार्य में जुट गए।

एनडीआरएफ टीमों की अग्रिम तैनाती और अन्य केंद्रीय एजेंसियों और रक्षा बलों की तैयारियों के अलावा, गुजरात सरकार की गहन योजना भी बिपरजॉय में सफलता सुनिश्चित करने की दिशा में महत?वपूर्ण रही। यह संभवत: अकेला सबसे महत्वपूर्ण कारण रहा और इसमें पारंपरिक और अभिनव उपाय भी शामिल रहे। अंतिम असुरक्षित व्यक्ति तक असुरक्षित आबादी की पहचान की गई और 1,43,053 लोगों को सुरक्षित स?थानों पर पहुंचाया गया। पेड़ों को उखड़ने से बचाने के लिए उनकी कांट-छांट की गई और 4,317 होर्डिंग्स को उतार दिया गया, ताकि उन?हें तेज रफ्तार हवाओं की चपेट में आकर टूटने और उड़ने वाली घातक वस?तुओं में तब?दील होने से रोका जा सके। ऐसी 1,152 गर्भवती महिलाओं को ऐहतियात के तौर पर पहले ही अस्पतालों में भर्ती करा दिया गया, जिनके प्रसव का समय चक्रवात के समय ही नियत था और चक्रवात के दौरान 707 बच?चों का जन्म सुरक्षित वातावरण में हुआ। बेहद सख्त प्रशासन तंत्र ने लोगों को उनके घरों के अंदर और जोखिम भरे आचरण करने से दूर रखा। यह सब एनडीआरएफ की 18 और एसडीआरएफकी 12 टीमों की अग्रिम तैनाती से संभव हो सका, जिन्होंने क्या करें और क्या न करें के बारे में जागरूकता फैलाने और लोगों को सुरक्षित स?थानों पर जाने के लिए राजी करने के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर चौबीसों घंटे काम किया। इन टीमों ने चक्रवात के दौरान और उसके बाद स्थिति को जल्द से जल्द सामान्य बनाने के लिए भी काम किया।

ऐसी भीषण आपदा से इतने सुनियोजित और समन्वित तरीके से निपटने, एक भी इंसान की मृत?यु नहीं होने देकर जो मानक स्थापित किया गया है, वह अत?यंत प्रेरणादायक है। इसके प्रमुख कारकों में,जिनकी सराहना प्रधानमंत्री ने की है- सामुदायिक जागरूकता, हर प्रत्याशित घटना के लिए गहन योजना और समय से पहले की गई कार्रवाई शामिल है। इस सफलता की पुनरावृत्ति के लिए राज्यों को साल भर सक्रिय रहने वाली, समर्पित, सुसज्जित और प्रशिक्षित एसडीआरएफ की पर्याप?त संख?या में उपलब्धता की भी आवश्यकता है।

जलवायु परिवर्तन के कारण ऐसी आपदाएं बढ़ती जा रही हैं; 1980-1999 की अवधि के दौरान दर्ज की गई 4,212 आपदाओं की तुलना में 2000-2019 की अवधि में 7,348 आपदाएं दर्ज की गईं। इनसे निपटने की तैयारी करने के लिए एनडीआरएफ की ओर से एसडीआरएफ की क्षमता निर्माण और अपने स्कूल सुरक्षा कार्यक्रमों और सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता फैलाने के लिए अथक प्रयास किए जा रहे हैं। एनडीआरएफअपनी क्षमता में सुधार लाने का निरंतर प्रयास करता है त?था राष्ट्र और समूची मानवता के लिए अपनी सेवाएं समर्पित कर गौरवान्वित महसूस करता है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

मंगलवार, 27 जून 2023

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

जल संरक्षण को लेकर जिले में हो रहे कार्य सराहनीय- रश्मि रंजीता

रायगढ़। जिले में जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में किए जा रहे कार्यों की समीक्षा के लिए दिल्ली से जल शक्ति अभियान की नोडल अधिकारी श्रीमती रश्मि रंजीता रायगढ़ पहुंची। यहां उन्होंने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बैठक लेकर कैच द रेन कार्यक्रम के तहत जिले में हुए कार्यों के बारे में जाना। कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा ने जिले में जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में किए जा रहे विभागीय कार्यों व नवाचारों के बारे में विस्तार से बताया। निदेशक श्रीमती रश्मि रंजीता ने जिले में जल संरक्षण के चल रहे प्रयासों को लेकर कहा कि रायगढ़ में प्रशासनिक पहल के साथ जन-जागरूकता व जन सहयोग से कार्य हो रहे है जो सराहनीय कदम है। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने प्रजेन्टेशन के माध्यम से जिले में जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कलेक्टर श्री सिन्हा ने जिले की भौगोलिक स्थिति के साथ जल स्त्रोतों तथा उनको संवारने के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया। कलेक्टर श्री सिन्हा ने कहा कि जिले में प्राकृतिक जल को अधिक से अधिक सहेजने तथा उसे भूमिगत करने का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है। इसके तहत प्राकृतिक जल स्त्रोतों जैसे नदी व नालों के संवर्धन के काम हो रहे है। जल के बहाव को नियंत्रित करने नालों में चेक डेम, गेबियन, कंटूर ट्रेच जैसी विभिन्न संरचनाएं बनायी जा रही है। गांवों में केन्द्रीकृत जल स्त्रोत के रूप में 106 अमृत सरोवर बनाये गये है।

मानसून के आगमन के साथ पूरे उत्साह के साथ मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

महासमुंद। छत्तीसगढ़ में मानसून और बच्चों के नवीन शिक्षा सत्र 2023-24 में स्कूल में आगमन का तकरीबन साथ-साथ शुरू हुआ। दक्षिण-पश्चिम मानसून शुक्रवार को बस्तर में प्रवेश की जानकारी मिली। हालांकि महासमुंद में मानसून 25 की दरमियानी रात ज़ोर की बारिश हुई। आज 26 जून 2023 को शाला प्रवेशोत्सव के प्रथम दिवस भी सुबह से बारिश होती रही। पूरे ज़िले के स्कूलों में बच्चें भी पूरे उत्साह के साथ स्कूल जाते दिखायी दिये। गणवेश, पुस्तक और सायकल वितरण के साथ ही नवप्रवेशी बच्चों को तिलक, रोली लगाकर स्वागत पूर्व वर्षों की भांति किया गया है। बच्चों को चॉकलेट भी दिए गए। शाला प्रवेश उत्सव में पालकों, माताओं, शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों व जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया। बच्चों में विद्यालय आने के प्रति उत्साह व ऊर्जा का संचार किया गया। ज़िला महासमुंद के नयापारा स्थित स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम उत्कृष्ट विद्यालय में शाला प्रवेशोत्सव आयोजित किया गया। यहाँ गणवेश, पुस्तक और रोली लगाकर स्वागत किया गया। स्कूल के हर कोने में बच्चों की मुस्कान बिखरी हुई नज़र आ रही थी।

छत्तीसगढ़ में सरोवरों की चमक लौटी: सौंदर्यीकरण और जीर्णोद्धार के चलते अब शाम गुजारने के सबसे महत्वपूर्ण हाटस्पाट

हर जिले में चल रहे सरोवर जीर्णोद्धार के कार्य, अतिक्रमण हटाये जा रहे और परिसर का हो रहा विकास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हाल ही में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दुर्ग जिले के कुम्हारी में बड़े तरिया का लोकार्पण किया। 16 एकड़ में फैले इस उद्यान में दो तालाबों को जोड़ा गया है और यहां पर खूबसूरत लाइट एंड साउंड शो होता है। इसे इतने खूबसूरत तरीके से बनाया गया है कि एक महीने के भीतर ही यहां इतनी भीड़ आने लगी है कि प्रवेश के लिए लंबी लाइन लगती है। जिला प्रशासन के अधिकारी बताते हैं कि छुट्टी के दिन यहां शाम को दस हजार लोग आ रहे हैं इतना ज्यादा भीड़ अप्रत्याशित थी। बच्चों की टाय ट्रेन, लाइट एंड साउंड शो की वजह से और बेहद खूबसूरत आर्च वाले पुल की वजह से, शानदार लैंडस्केप के चलते यह उद्यान लोगों को भा गया है।

दो साल पहले मुख्यमंत्री ने दलपत सागर (जगदलपुर) में सौंदर्यीकरण कार्यों का लोकार्पण किया था। सौंदर्यीकरण के पश्चात यहां भी लोगों की आवाजाही काफी बढ़ गई है। दलपत सागर दीपोत्सव कार्यक्रम का जब आयोजन किया गया तो हजारों लोग यहां दीप जलाने आये। रायपुर में विवेकानंद सरोवर के सौंदर्यीकरण के पश्चात यहां की चमक भी बढ़ी और आवाजाही में काफी इजाफा हो गया।

जनसहयोग भी मिल रहा- सरोवरों के संरक्षण की मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल के चलते जनसहयोग भी इस हेतु उमड़ रहा है। तालाबों की नगरी कहे जाने वाले धमधा की पहचान छह कोरी, छह आगर तालाबों को लेकर थी। इसमें से बहुत से तालाब अतिक्रमण का शिकार होते गये। सरोवरों के संरक्षण के मुख्यमंत्री के निर्देश के पश्चात धमधा में भी सरोवरों से अतिक्रमण हटाना शुरू हुआ। इससे जनसमुदाय भी काफी खुश हुआ। छत्तीसगढ़ में और देश भर में यह परंपरा रही है कि सरोवरों की सफल स्थापना अथवा जीर्णोद्धार के पश्चात यहां काष्ठ स्तंभ लगाया जाता है। ऐसे ही किरारी में एक सरोवर से मिले एक काष्ठ स्तंभ लेख से छत्तीसगढ़ में सातवाहन वंश की प्रशासनिक व्यवस्था की पुष्टि हुई थी। धमधा में लोगों ने इसी तरह से छह तालाबों में काष्ठ स्तंभ स्थापित किये और इस घटना का वृतांत भी लिखाया।

सरोवरों के किनारे उद्यान और फूड जोन भी- सरोवरों के सौंदर्यीकरण के साथ ही इनके आसपास उद्यान बनाये गये हैं और जहां पर अतिरिक्त जगह है वहां पर फूड जोन भी बनाये गये हैं। उदाहरण के लिए मिलेट मिशन को बढ़ावा देने के लिए मिलेट से बने उत्पाद इन फूड जोन में रखे जा रहे हैं। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ी उत्पादों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। जब मुख्यमंत्री पाटन में राजीव गांधी सरोवर के लोकार्पण के लिए पहुंचे तो यहां छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के लिए भी जगह निर्धारित की गई है और इसका संचालन भी स्वसहायता समूहों के लोगों द्वारा किया जा रहा है।

तालाबों के महत्व को जनता तक पहुंचाने योगाभ्यास भी सरोवरों पर- मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल राष्ट्रीय रामायण महोत्सव में बीते दिनों रायगढ़ गये थे। वहां उन्होंने केलो संवर्धन और जल संरक्षण के लिए नागरिकों से अपील की। इसका व्यापक असर हुआ है और जनभागीदारी से तालाब संवर्धन का बड़ा काम हो रहा है। इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन अमृत सरोवरों के किनारे भी हुए। तालाबों के कायाकल्प के लिए महती कार्य हो रहा है। उदाहरण के लिए रायगढ़ जिले को लें। यहां 170 तालाबों में व्यापक कार्य किया गया है। एक तालाब में बारिश का एक करोड़ लीटर पानी स्टोर होगा, इससे बारिश की अमृत बूंदों को सहेजने की संभावना कितनी बढ़ जाएगी। रायगढ़ में 105 तालाब अमृत सरोवर के अंतर्गत खोदे गये हैं। राजनांदगांव जिले में स्वच्छ सरोवर महाअभियान का आयोजन हुआ। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में 407 ग्राम पंचायतों में 47 हजार से अधिक लोगों ने अपने तालाब को साफ किया और पौधरोपण भी किया।

रीपा से लोगों को गांवों में ही मिल रहा रोजगार: मंत्री डहरिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गौठानों में विकसित किए जा रहे महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क में बड़ी संख्या में गांवों के लोगों को रोजगार मिल रहा है। रायपुर जिले के आरंग के ग्राम लखौली में बनाए गए रीपा में लगभग 13 से अधिक स्व-सहायता समूह की लगभग 100 महिलाओं को नियमित रूप से रोजगार मिल रहा है। यहां महिलाओं द्वारा विभिन्न लघु और कुटीर उद्योगों का संचालन किया जा रहा है। लखौली रीपा में लगभग 2 करोड़ रूपए की लागत से अधोसंरचना विकसित की गई है। यहां लगने वाले लघु उद्योगों के लिए बिजली, पानी, वर्कशेड सहित सभी इंतजाम किए गए हैं।

लखौली रीपा में ग्रामीण महिलाएं वर्मी कम्पोस्ट निर्माण के साथ वाशिंग पाउडर, मशरूम उत्पादन, मुर्गी पालन, अगरबत्ती निर्माण, मसाला निर्माण, अचार बड़ी पापड़, हवाई चप्पल, नमकीन निर्माण, बोरे प्रिंटिंग कार्य, दोना पत्तल निर्माण, मिट्टी के विभिन्न बर्तन का निर्माण कर रही हैं। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। उन्हें अपने गांव में ही रोजगार का अवसर मिल रहा है। इन महिलाओं द्वारा उत्पादित सामग्री को सी-मार्ट के माध्यम से बिक्री की व्यवस्था की गई है, इसके अलावा महिला समूह द्वारा हाट-बाजारों में जाकर भी सामग्री की बिक्री की जा रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर पिछले साल लखौली में रीपा का शिलान्यास किया था। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना को मूर्त रूप देने का काम नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया की देख-रेख में हुआ। लखौली में विकसित किए गए रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का शुभारंभ 2 अक्टूबर 2022 को किया गया।

नगरीय प्रशासन मंत्री और क्षेत्रीय विधायक डॉ. डहरिया का मानना है कि रीपा की स्थापना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिल रही है। रोजगार के इच्छुक युवाओं और महिलाओं को उनके गांव में ही रोजगार देने में यह योजना काफी सफल है। रीपा में उत्पादित विभिन्न सामग्रियों गांव के बाजारों और सी-मार्ट के जरिए आसानी से बिक जा रही है। इससे ग्रामीण युवाओं और महिलाओं की आमदनी में काफी इजाफा हो रहा है।

बेरोजगारी भत्ता प्राप्त 23 युवा सहित कुल 51 हितग्राहियों को किया गया जॉब ऑफर

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। जिले के बेरोजगारी भत्ता प्राप्त पात्र हितग्राहियों को रोजगार एवं स्वरोजगार प्रदान करने के उद्देश्य की पूर्ति एवं लाईवलीहुड कॉलेज में प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार प्रदान करने जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र एवं जिला कौशल विकास प्राधिकरण, गरियाबंद के संयुक्त तत्वधान में लाईवलीहुड कॉलेज में रोजगार मेला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जिले के नवनियुक्त कलेक्टर आकाश छिकारा,मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत रीता यादव उपस्थित हुए।कलेक्टर श्री छिकारा ने लाईवलीहुड कॉलेज अंतर्गत कौशल प्रशिक्षित 51 हितग्राहियों को जॉब ऑफर प्रदान किया गया, जिसमें 23 युवा बेरोजगारी भत्ता के पात्र हितग्राही है। कलेक्टर ने जॉब ऑफर प्रदान करते हुये कहा कि कौशल की आवश्यकता जीवन के हर पड़ाव में होता है।

शासन द्वारा विकसित लाईवलीहुड कॉलेज आधारभूत कौशल विकास के लिए सर्वोत्तम माध्यम है।यहां से प्रशिक्षण उपरांत भी लगातार कौशल विकास करते रहना चाहिए।जिससे कार्य की कुशलता और कार्य क्षमता में हमेशा वृद्धि होती है।वहीं जिला पंचायत सीईओ ने हितग्राहियों को होम सीकनेस त्यागकर जॉब में जरूर जाने की बात कहीं।

पेयजल प्रदाय योजनाओं को जल आबंटन में सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए: मुख्य सचिव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने राज्य की विभिन्न पेयजल प्रदाय योजनाओं हेतु जल आबंटन सर्वोच्च प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ राज्य जल संसाधन उपयोग समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जल जीवन मिशन, मिशन अमृत 2.0 सहित विभिन्न उद्योगों को जल प्रदाय की स्वीकृति हेतु विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने राज्य के विभिन्न जलाशयों और अन्य जल स्त्रोतों में पेयजल, सिंचाई, औद्योगिक प्रयोजन सहित अन्य प्रयोजन हेतु जल की उपलब्धता के संबंध में अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली।

उन्होंने जल स्त्रोतों से जल आबंटन एवं उपयोग से राजस्व प्राप्ति की स्थिति की भी जानकारी ली। राज्य जल संसाधन उपयोग समिति की बैठक में राज्य की कुल 37 पेयजल प्रदाय योजनाओं से जल प्रदाय के विभागीय प्रस्ताव पर चर्चा हुई।

राज्य जल संसाधन उपयोग समिति की बैठक में विभिन्न औद्योगिक संस्थानों को विभिन्न जलाशयों एवं अन्य जल स्त्रोतों से उनके उद्योग प्रयोजन हेतु जल

आबंटन स्वीकृति हेतु विस्तार से चर्चा हुई। इनमें मेसर्स फ्लि स्टील एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड बिलासपुर को अरपा नदी से, मेसर्स बी.के. इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड रायपुर को महानदी के समोदा बैराज से और मेसर्स एन.के.जे. बॉयोफ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड दुर्ग को एथेनाल संयंत्र हेतु रहंगी जलाशय से जल आबंटन स्वीकृति के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई। इसी प्रकार मेसर्स रायगढ़ इस्पात एण्ड पॉवर प्राइवेट लिमिटेड को भू-जल आहरण की स्वीकृति, मेसर्स रामा एग्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड रायपुर को इंद्रावती नदी से एथेनाल संयंत्र हेतु और मेसर्स शौर्य इस्पात प्राइवेट लिमिटेड रायपुर को कोल्हान नाला स्टापडेम से जल आबंटन के संबंध में चर्चा हुई। बैठक में मेसर्स एन.आर.स्टील एण्ड फेरो प्राइवेट लिमिटेड रायगढ़ भू-जल आहरण की स्वीकृति प्रदान करने चर्चा की गई।

इसी तरह से मेसर्स जी.आर.इंटीग्रेटेड स्टील प्राइवेट लिमिटेड रायपुर को और मेसर्स नीरगंगा इस्पात प्राइवेट लिमिटेड रायपुर को शिवनाथ नदी के बिरोदा एनीकट से भू-जल आहरण की स्वीकृति हेतु चर्चा हुई। मेसर्स लाला पाईम्स प्राइवेट लिमिटेड रायपुर को शिवनाथ नदी के तुलसी-पौसरी एनीकट से, मेसर्स एन.आर.व्ही.एस. स्टील्स लिमिटेड और मेसर्स एन.आर. इस्पात एण्ड पॉवर प्राइवेट लिमिटेड रायगढ़ को गेरवानी नाल से जल प्रदाय की चर्चा हुई। मेसर्स सीपीसीबीएल स्टील्स एण्ड पॉवर प्राइवेट लिमिटेड बिलासपुर अरपा नदी के भैंसाझार बैराज से, मेसर्स फ्लिकोल बेनीफ्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड रायगढ़ को कुरकेट नदी से और मेसर्स जिन्दल पॉवर सीमेंट प्राइवेट रायगढ़ को महानदी के कलमा बैराज से जल आबंटन स्वीकृति के संबंध में चर्चा हुई। मेसर्स माल्का रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को माण्ड नदी से, मेसर्स विष्णु केमिकल्स लिमिटेड भिलाई को तेल्हा नाला से, मेसर्स टी.आर.एन. एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड दिल्ली को केलो और पझार नदी से और मेसर्स श्री बजरंग स्टील कार्पोरेट लिमिटेड रायपुर को शिवनाथ नदी के बहिंगा एनीकट से, मेसर्स आरती सिनर्जी प्राइवेट लिमिटेड रायपुर को जरौदा स्टापडेम से तथा मेसर्स सारडा एनर्जी एण्ड मिनरल्स लिमिटेड रायपुर को खारून नदी के मुनरेठी एनीकट से जल प्रदाय हेतु चर्चा की गई। मेसर्स अग्रोहा आयरन एण्ड स्टील इण्डस्ट्रील रायगढ़ को भू-आहरण स्वीकृति और मेसर्स जिंदल पॉवर लिमिटेड रायगढ़ को कलमा बैराज से जल आबंटन की समयावृद्धि की स्वीकृति हेतु चर्चा हुई। बैठक में जल संसाधन विभाग के सचिव अन्बलगन पी., ऊर्जा एवं वित्त विभाग के सचिव अंकित आनंद, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव डॉ. एस.भारतीदासन और मिशन संचालक जल जीवन मिशन आलोक कटियार सहित उद्योग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन, कृषि सहित अन्य विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

कलेक्टर ने किया वृद्धजन मतदाताओं का सम्मान

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डोमन सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ अमित कुमार ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम घुमका के मतदान केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदान केन्द्र में 80 वर्ष से अधिक मतदान करने वाले वृद्धजनों का सम्मान किया और उन्हें आगामी विधानसभा निर्वाचन में 80 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों को वैकल्पिक पोस्टल बैलेट की सुविधा से अवगत कराया गया। उल्लेखनीय है कि मतदान केन्द्रों में वृद्धजन मतदाताओं के दृष्टिगत रैम्प एवं व्हीलचेयर की व्यवस्था की जा रही है। 80 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के बुजुर्ग मतदाताओं को मतदान के लिए प्रोत्साहित करने हेतु उन्हें सम्मानित किया गया। मतदान के महत्व के प्रति जागरूक कराने में बुजुर्ग मतदाताओं की अहम भूमिका है।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

कोडिंग के क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए जिला प्रशासन की पहल

रायपुर। जिले के युवतियों-महिलाओं का सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में कार्य करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा अवसर प्रदान किया जा रहा है। जिला प्रशासन और नवगुरूकुल संस्था द्वारा 18 महीने नि:शुल्क सॉफ्टवेयर इंजिनियर प्रोग्राम के लिए चयन किया जा रहा है। इसके लिए सेमीनार पं. आर. डी. तिवारी शासकीय इंग्लिश मीडियम स्कूल, आमापारा में आयोजित किया गया था। यह सेमीनार 27 और 28 जून को सुबह 11 बजे पुन: आयोजित होगा। चयनित अभ्यर्थी कोडिंग का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगें, जिससे सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकेंगे। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद न्यूनतम 20 हजार रूपये का वेतन की नौकरी मिल सकेगी। भविष्य में अमेजन, नेटवेस्ट, एप्प स्क्रिप, मैक्यूरी, एक्सेंचर जैसी मल्टीनेशनल कंपनियों में कार्य करने का अवसर मिल सकेगा। शामिल होने वाली छात्राओं को लैपटॉप दिया जाएगा। यहां सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग प्रोग्रामिंग के साथ-साथ प्रशिक्षणार्थियों को इंग्लिश कम्यूनिकेशन और लीडरशिप भी सिखाई जाएगी। इस कोर्स के लिए बेरोजगारी भत्ता प्राप्त हितग्राहियों को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

कॉरपोरेट लीग के उद्घाटन मैच में इनफिनिटी, सराफा और एक्सिस बैंक की जीत

रायपुर। वीर स्पोर्ट्स क्लब के तत्वाधन में वरिष्ठ समाजसेवी एवं दिवंगत कांग्रेस नेता स्व. इंदरचंद धाड़ीवाल की स्मृति में कॉरपोरेट क्रिकेट लीग फ्लड लाइट क्रिकेट प्रतियोगिता के पांचवे संस्करण का भव्य रंगारंग शुभारंभ सुभाष स्टेडियम रायपुर की दूधिया रौशनी में नगर पालिक निगम के सभापति प्रमोद दुबे, श्रीमती सरोजनी इंदरचंद धड़ीवाल, शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष गिरीश दुबे की उपस्थिति में किया गया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेलकूद प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं आयोजक प्रवीण जैन ने जानकारी देते हुए बतलाया कि दिन का पहला मैच इनफिनिटी रायपुर और इंडियन डेंटल एसोसियेशन के मध्य खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इनफिनिटी ने इरफान सद्दाम के 87 और पंकज के 48 रनों की बदौलत 10 ओवरों में 3 विकेट पर 179 रन बनाए, जवाब में डेंटल एसोसियेशन की टीम 145 रन ही बना सकी। इरफान को मैन ऑफद मैच चुना गए।

रायपुर के विभिन्न स्कूलों में शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन

रायपुर। शाला प्रवेशोत्सव के अवसर पर रायपुर शहर और जिले के अन्य हिस्सों में शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया। शिक्षकों एवं जनप्रतिनिधियों ने नवप्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया और पाठ्य पुस्तक का वितरण किया।

बढ़ी शासकीय स्कूलों की गुणवत्ता, प्रवेश के लिए लगी होड़ प्रदेश में शिक्षा का स्तर हुआ एक समान : मुख्यमंत्री

शाला प्रवेश उत्सव में मुख्यमंत्री ने नव प्रवेशी बच्चों को खिलाई मिठाई, तिलक लगाकर किया स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नए शिक्षा और शाला प्रवेशोत्सव के अवसर पर नव प्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर, मुंह मीठा कराया और पुष्प माला पहनाकर स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने इस अवसर पर बच्चों को पाठ्य-पुस्तक, कॉपी, स्कूल बैग और गणवेश का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने प्रोफेसर जे.एन. पाण्डे शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव समारोह में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमारी सरकार के प्रयासों के फलस्वरूप पूरे प्रदेश में शिक्षा का स्तर एक समान हुआ है। सुकमा से जशपुर तक बच्चों को पढ़ने के लिए अच्छे शाला भवन, स्वामी आत्मानंद स्कूल और शिक्षकों की व्यवस्था की गई है।

आज निजी स्कूलों की तरह बालवाड़ी और अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोले गए हैं। इनमें पर्याप्त संसाधन दिए गए है और वे निजी स्कूलों से प्रतिस्पर्धा ही नहीं कर रहे हैं बल्कि उनसे आगे भी बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले एक दिन आरडी तिवारी स्कूल गया तो यहां पाया कि इस स्कूल में बच्चों की दर्ज संख्या 56 थी।

स्वामी आत्मानंद स्कूल बनने के बाद अब वहां बच्चों की दर्ज संख्या एक हजार से अधिक हो गई है। हमारे प्रयासों से आज स्थिति यह है कि पहले आम जनता से बड़े-बड़े निजी स्कूलों में बच्चों को प्रवेश दिलाने का प्रयास करते थे, अब स्थिति बदली हैं पालक अपने बच्चों को स्वामी आत्मानंद स्कूल में प्रवेश दिलाने के लिए सिफारिशें लगा रहे हैं। मगर हमने यह तय कर रखा है कि इन स्कूलों में प्रवेश नियमानुसार होगा, ताकि सभी को शिक्षा का समान अवसर मिल सके। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने बताया कि प्रदेश में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय के तहत वर्तमान में अंग्रेजी माध्यम के 377 और हिंदी माध्यम के 350 स्कूल संचालित किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल क्षेत्र में आज से कुछ साल पहले स्थिति यह थी शाला भवन टूट गया था, बच्चों की पढ़ाई छूट गई थी। हमने नक्सल क्षेत्रों में शाला भवनों का निर्माण कराया और सालों से बंद पड़े स्कूलों को पुन: शुरू कराया। उन्होंने कहा कि स्कूलों में बेहतर पढ़ाई के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की अत्यधिक आवश्यकता है। इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राज्य निर्माण के बाद पहली बार शिक्षकों की भर्ती प्रारंभ की गई। प्रथम चरण में 14 हजार 580 पदों के लिए विज्ञापन जारी कर 10 हजार 834 शिक्षकों को स्कूलों में नियुक्ति दी गई हैं। दूसरे चरण में 12 हजार 489 शिक्षकों की शीघ्र नियुक्ति की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बच्चों द्वारा लगाए गए प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने सरस्वती सायकिल योजना के तहत कक्षा 9वीं की छात्राओं को सायकिल वितरण किया। छात्राओं ने घंटी बजाकर मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। श्री बघेल ने कार्यक्रम में प्रोफेसर जे.एन. पाण्डे शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट विद्यालय पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया गया।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को दिए टिप्स

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शाला प्रवेश उत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों को टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी हमेशा अनुशासन में रहे। समय की कीमत को समझे। सुबह समय पर उठे, उसके बाद दैनिक दिनचर्या प्रारंभ करे, अपना ध्यान कक्षा में पढ़ाई पर केंद्रित करे, शिक्षक द्वारा पढ़ाए गए पाठ्यक्रम को रूचि से पढ़े। स्कूल से जाने के बाद स्वस्थ रहने के लिए खेल गतिविधियां में भी भाग ले। यह ध्यान रखें जीवन में हर पहलू का महत्व होता है, मगर अनुशासन सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि आज से ही निरंतर पढ़ाई पर ध्यान रखेंगे तो परीक्षा का दबाव नहीं रहेगा।

मंत्री सिंहदेव ने मेडिकल कॉलेज में 50 बिस्तर क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव ने जगदलपुर शासकीय मेडिकल कॉलेज परिसर में 23 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत से बनने वाले 50 बिस्तर क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लॉक का भूमिपूजन किया। उन्होंने 35 लाख रुपए की लागत के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बस्तर और 30 लाख रुपए की लागत से खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के संभागीय कार्यालय के निर्माण के लिए भी भूमिपूजन किया।

बस्तर के सांसद दीपक बैज, चित्रकोट के विधायक राजमन बेंजाम, जगदलपुर नगर निगम की सभापति श्रीमती कविता साहू और मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. पैकरा भी इस दौरान मौजूद थे। स्वास्थ्य मंत्री श्री सिंहदेव ने आज तोकापाल विकासखंड के सिंघनपुर में संचालित ग्रामीण औद्योगिक पार्क की गतिविधियों का अवलोकन किया।

उन्होंने रीपा में कार्यरत महिला समूह के सदस्यों से आर्थिक गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। श्री सिंहदेव ने वहां महिला समूह द्वारा संचालित प्रीमियम बेकरी इकाई द्वारा निर्मित बिस्किट खरीदा। स्वास्थ्य मंत्री ने लोहंडीगुड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण भी किया। उन्होंने वहां मुहैया कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं और दवाईयों की उपलब्धता की जानकारी ली। श्री सिंहदेव ने यहां संचालित ओपीडी का भी जायजा लिया।

कलेक्टर ने जन चौपाल में सुनी आम लोगों की समस्याएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जन चौपाल में आज कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर भुरे ने जिले के विभिन्न स्थानों से आए लोगों से मिलकर कर उनके मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर बी.सी. साहू सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। आज जनदर्शन में 23 आवेदन प्राप्त हुए।

कलेक्टर जन चौपाल में संत रविदास नगर वार्ड 70 के वार्डवासियों ने वोटर आईडी और आधार कार्ड में पता बदलवाने कलेक्टर को आवेदन दिया। इस पर कलेक्टर ने ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी तरह ग्राम सुंदरा के निवासी मोहन लाल जांगड़े ने मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना का लाभ दिलाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि वह मंगल भजन, चौका आरती का जिला एवं प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम संचालित करते हैं तथा इस योजना का लाभ लेकर वह कार्यक्रमों का और अधिक विस्तार और प्रचार कर सकेंगे। इसी प्रकार श्री राधा कृष्ण मंदिर सार्वजनिक न्यास, जौंधी के अध्यक्ष ने न्यास के स्वामित्व की कृषि भूमि और मकान का राजस्व अभिलेख में दुरुस्ती कराने, शंकर नगर निवासी रमेशचंद्र गुलाटी ने तेलीबांधा स्थित अपनी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत संबंधी आवेदन दिया। इसी तरह अन्य आवेदकों ने जनचौपाल में राजस्व प्रकरणों के निराकरण, पट्टा आदि से संबंधित आवेदन दिया।

आपातकाल तो संवैधानिक व्यवस्था थी आज तो पूरे देश में अघोषित आपातकाल लगा हुआ - कांग्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भाजपा नेताओं द्वारा अपातकाल के संदर्भ में दिये गये बयान का कांग्रेस ने कड़ा प्रतिवाद किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि आपातकाल देश की तत्कालीन परिस्थितियों के अनुसार उठाया गया संवैधानिक कदम था। संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत तत्कालीन केन्द्र सरकार ने आपातकाल लगाया था। आपातकाल को देश की संसद की मंजूरी के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल की सलाह पर राष्ट्रपति के द्वारा लगाया गया था। वर्तमान में भाजपा की केन्द्र सरकार तो पूरे देश में अघोषित और संविधानेतर आपातकाल लगा कर रखी है।

असहमति के स्वर को दबाने के लिये केन्द्रीय जांच एजेंसियों सीबीआई और ईडी का धौंस विपक्ष के नेताओं को दिखाया जाता है। देश की महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थाओं की स्वात्यता को नष्ट कर दिया गया है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार हुआ है कि देश की सर्वोच्च न्यायालय के चार न्यायधीशों को अपनी बात कहने मीडिया और देश की जनता के सामने आना पड़ा। चुनाव आयोग की निष्पक्षता संदिग्ध हो गयी। समाचार माध्यमों की स्वतंत्रता लगभग समाप्त की

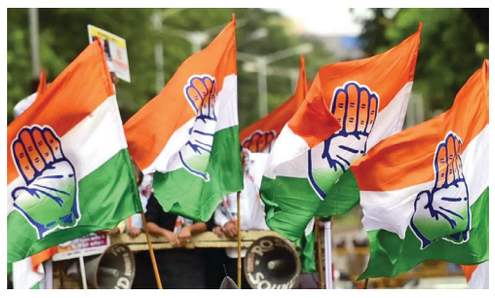

दी गयी। मोदी सरकार की मंशा और यशोगान समाचार चैनलों पर जबरिया थोपा गया एजेंडा बन गया है। देश के किसानों को 8 महिने से अधिक समय तक आंदोलन करना पड़ा, सरकार उनकी बात सुनने को तैयार नहीं थी। इससे बड़ा अलोकतांत्रिक कदम और आपातकाल क्या हो सकता है कि प्रजातंत्र की सबसे बड़ी पंचायत संसद के उच्च सदन में बिना बहस विधेयक पारित करवा दिया जाता है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि ईडी और आईटी की विरोधी दलों के नेताओं ने यहां की जा रही देशव्यापी कार्यवाही भाजपा के अलोकतांत्रिक चरित्र का उदाहरण है। भाजपा ने लोकतंत्र को लूट तंत्र में बदल दिया, जनता द्वारा चुनी गयी सरकारों और जनादेश को धन बल के सहारे तथा राजभवनों से संविधानेत्तर हस्तक्षेप करवा कर सरकारों को हड़पने की भाजपा और उसकी केन्द्र सरकार के अघोषित आपातकाल के सबसे बड़े उदाहरण है मध्यप्रदेश, कर्नाटका, महाराष्ट्र में कांग्रेस की सरकारों को विधायक खरीद कर हथियाना हो या गोवा, मणीपुर में बड़े दल होने के बावजूद कांग्रेस की सरकारें नहीं बनने देना भाजपा के अलोकतांत्रिक चरित्र को बताते है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि दरअसल समूची भाजपा इस समय खुद मोदी और शाह की तानाशाही के सामने डरी और सहमी हुई है। इसीलिये भाजपा नेताओं को देश की असली हकीकत नहीं दिख रही हैं। छत्तीसगढ़ के भाजपा नेता बिना मोदी-शाह की सहमति से एक शब्द नहीं बोल सकते। छत्तीसगढ़ के निर्वाचित सांसद छत्तीसगढ़ के जनप्रतिनिधि अपने राज्य की जनता किसानों के हित में एक शब्द बोलने की हिम्मत नहीं रखते। धान की कीमत राज्य को खाद की आपूर्ति जैसे मसलों पर छत्तीसगढ़ के भाजपा नेता कुछ नहीं बोल पाते, उन्हें डर रहता है मोदी-शाह नाराज हो जायेंगे।

राशन कार्डधारियों को सुगमता पूर्वक किया जाए राशन वितरण: मंत्री भगत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अमरजीत भगत ने आज यहां अपने निवास कार्यालय सरगुजा कुटीर में ,खाद्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय काम-काज की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में राशन कार्डधारियों को सुगमतापूर्वक राशन वितरण, पिछले वर्ष उर्पाजित धान की कस्टम मिलिंग और आगामी खरीफविपणन वर्ष में धान खरीदी के लिए आवश्यक तैयारियों के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री श्री भगत बैठक में प्रदेश में संचालित 13,665 शासकीय उचित मूल्य के दुकानों के माध्यम से राज्य के 74 लाख 76 हजार राशन कार्डधारियों को हर महीने वितरित की जा रही राशन वितरण की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने सभी राशन कार्डधारियों की संवेदनशीलता के साथ सुगमता पूर्वक राशन वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। मंत्री श्री भगत ने कहा कि अत्यधिक वृद्ध और शारीरिक रूप से नि:शक्त व्यक्तियों को बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के जरिए राशन सामग्री प्राप्त करने में कोई असुविधा न हो, इसके लिए राज्य शासन द्वारा राशन सामग्री के उठाव के लिए उन्हें अपना प्रतिनिधि या नामिनि नियुक्त करने का प्रावधान किया है। प्रदेश में 1.06 लाख ऐसे हितग्राही लाभान्वित हो रहे हैं।

खाद्य मंत्री श्री भगत ने कहा कि वन नेशन वन राशनकार्ड योजना के अंतर्गत राज्य के अस्थाई प्रवास करने वाले मजदूर परिवारों को अन्य राज्यों में राशन प्रदाय करने की सुविधा भी राज्य शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। माह मई में छत्तीसगढ़ के 515 प्रवासी परिवारों द्वारा अन्य राज्यों में बॉयोमेट्रिक प्रमाणीकरण के जरिए राशन सामग्री का उठाव किया गया। खाद्य मंत्री श्री अमरजीत भगत ने धान खरीदी व्यवस्था और कस्टम मिलिंग के संबंध में भी अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य पर उपार्जित 107.53 लाख टन धान की कस्टम मिलिंग का कार्य तेजी से जारी है। शीघ्र ही कस्टम मिलिंग कार्य पूर्ण कर शेष चावल केन्द्रीय पुल में जमा कराया जाएगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

सफलता की राह में संकोच का पड़ाव

हार से बड़ा होता है हार जाने का डर। डर, जो हमें आगे बढ़ने नहीं देता। संकोच, झिझक या शर्मिंदगी के अहसास का होना सामान्य है, हमारी विकास यात्रा का जरूरी हिस्सा भी। पर, हार जाने के डर से रुके रह जाना हमारी सफलता के आकाश को छोटा कर देता है।

एक प्रसिद्ध पर्वतारोहण प्रशिक्षक ने कहा है कि पर्वतारोहियों के विकास में सबसे बड़ी बाधा शर्मिंदा होने का भय होती है। जब लोग पहाड़ पर चढ़ने में अपना बेहतर प्रदर्शन चाहते हैं तो इसका अभ्यास वह अकेले में करते हैं, ताकि कोई उनकी गलतियां न पकड़ पाए। वे अभ्यास के लिए उस समय जाते हैं, जब क्लाइम्बिंग जिम में कोई नहीं होता। लेकिन, ऐसा करते समय वह अपने जीवन के सबसे महत्त्वपूर्ण मौके को गंवा रहे होते हैं। वह दूसरों की राय, उनके अनुभव को जान ही नहीं पाते। इस व्यवहार के पीछे मूल कारण शर्मिंदगी का डर होता है।

मेरे विचार में इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप नया क्या सीख रहे हैं या आगे बढ़ने के लिए क्या प्रयास कर रहे हैं? यदि आपके भीतर झिझक है, तो आप असल विकास तक पहुंच ही नहीं सकते। इसका अर्थ यह बिलकुल नहीं है कि हम इस डर को पीछे छोड़ दें। बल्कि, इसका मतलब यह है कि झिझक और संकोच को विकास का ही एक महत्त्वपूर्ण और अभिन्न अंग मानते हुए आगे बढ़ें। कुछ उदाहरणों से मेरा यह तर्क बेहतर तरीके से आपकी समझ में आ जाएगा।

- ब्लॉग या किताब लिखना मान लीजिए आप कुछ लिखना चाहते हैं लेकिन 'लोग क्या सोचेंगे' का डर आपको अपनी लेखनी सार्वजनिक नहीं करने दे रहा है, जबकि आपकी किताब के बारे में लोगों की राय उसे बेहतर बना सकती है।
- दूसरों से मदद लेना ज्यादातर लोग कुछ नया करते समय दूसरों से मदद लेने या सीखने में हिचकिचाते हैं, क्योंकि उन्हें डर सताता है कि लोग भला उनके बारे क्या सोचेंगे? जबकि हम सभी में कुछ-न-कुछ ऐसा होता है, जिसे हम दूसरों के सामने जाहिर करना नहीं चाहते हैं और यही झिझक हमें आगे बढ़ने से रोकती है।

झिझक है विकास का अंग

किसी काम में महारत हासिल करने से पहले गलतियां करना स्वाभाविक है। वास्तव में आगे बढ़ने का मार्ग गलतियां करने और उनसे सबक लेने से ही बना है, क्योंकि यह किसी किताब को पढ़ने या वीडियो देख लेने भर जितना सरल नहीं है। यदि यह शर्मिंदगी भरा है तो ऐसा ही रहे क्योंकि तभी हम अपनी सीमाओं का विस्तार कर पाएंगे और अपने बारे में खुद की राय को बदल पाएंगे। हम सब विकास के ऐसे दौर में हैं, जहां अकेले सब कुछ समझ पाना संभव नहीं है। लेकिन संकोची स्वभाव आगे बढने के मार्ग को अवरुद्ध कर देता है और अपने संकोच और गलतियों को स्वीकार किए बिना आगे बढ़ना संभव नहीं।

- अपने काम को आगे बढ़ाना जब आप कोई नया काम शुरू करते हैं या उसमें आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं तो यह समझ पाना मुश्किल होता है कि कहां रुकावट आ रही है। वैसे भी नेतृत्व अकेलापन लिए ही आता है। लेकिन दूसरों की सलाह हमें स्थिति को आंकने का एक नया नजरिया देती है। पर, संकोच हावी हो जाने पर आगे बढ़ने के रास्ते कठिन हो जाते हैं।

जीवन के हर क्षेत्र में, चाहे वह निजी विकास की बात हो, दूसरों का खयाल रखना हो, कोई रिश्ता हो या संकट की घडी हो। अपनी पहुंच से बाहर की चीज को पाने के लिए हमें अपने संकोच का सामना करना ही होगा।

zenhabits.net

कैसे करें संकोच का सामना

अगर आपको भी दूसरों के सामने झिझक होती है, पर यह भी समझ आता है कि इससे आपका नुकसान हो रहा है, तो आप कुछ बातों का पालन कर सकते हैं। हालांकि, यह गहराई वाला विषय है और आपको लगातार कोशिश करनी होगी-

1 इस बात पर ध्यान दें कि किस-किस मौके पर आपको संकोच का अनुभव होता है। क्या किसी से मदद मांगने या उनकी राय जानने में आप असहज महसूस करते हैं? यदि जवाब हां में है तो इसे मात्र एक डर के रूप में स्वीकारें और अपने ऊपर हावी न होने दें।

2 जानने की कोशिस करे यह डर आपके जीवन को कैसे प्रभावित कर रहा है और किस चीज से आपको बचा रहा है? यह भी समझे कि कैसा होगा यदि यह डर पीछा छोड़ दे।

3 स्वयं से पूछें कि क्या आप आप कुछ बदलाव चाहते हैं? ऐसा बाहरी दुनिया में क्या है, जिसने आपके भीतर इस डर को जन्म दिया है और उसके बदले में आप क्या नया अनुभव करना चाहते हैं।

4 कुछ ऐसा आजमाएं, जिसमें आपको डर या शर्मिंदगी की चिंता न हो। यदि पहाड़ पर चढ़ने का अभ्यास कर रहे हैं तो सबके सामने कोजिए, हंस कर अपनी गलतियां मानिए। बात चाहे नाचने की हो या लिखने की, सबके सामने कीजिए। अपनी गलतियों से सीखिए।

5 किसी नए परिवेश, नए काम में संकोच महसूस करना स्वाभाविक है। पर यह भी समझे कि आपका डर दुनिया का अंत नहीं कर देगा। बल्कि, आप पहले से बेहतर बनेंगे।

6 जब आप ऐसा करने लगेंगे तो अपनी गलतियों पर शर्मिंदा होना छोड़ देंगें और ज्यादा बेहतर तरीके से कुछ नया सीख पाएंगे। तब किसी को प्रभावित करने की बजाय आप स्वयं को बेहतर बनाने पर ध्यान देने लगेंगे।

छलांग

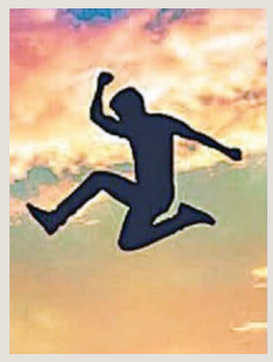

एक बार, एक आदमी विदेश यात्रा से वापस लौटा। वह जिनसे भी मिलता, वहां के अपने अनुभवों और रोमांचक कारनामों के बारे में बताता। अपने करतबों के बारे में बताने में उसे बड़ा अच्छा लगता।

खासतौर पर वह रोड्स शहर में अपने द्वारा लगाई गई छलांग के बारे में खूब बात करता। वह सबको बताता, 'छलांग इतनी बड़ी थी कि उससे पहले किसी ने वहां इतनी ऊंची छलांग नहीं लगाई थी। इतनी ऊंची छलांग लगाना असान नहीं है। जिसने देखा उसे हैरत हो रही थी। तुम्हें यकीन नहीं होगा, पर मैं सच बोल रहा हूं।'

एक दिन जब वह किसी को ये बात बता रहा था। वहां एक आदमी पीछे खड़ा उनकी बात सुन रहा था। उसने कहा, 'गवाहों की कोई जरूरत नहीं। मान लें कि आप इस समय रोड्स शहर में हैं। अब दिखाएं कि आप कितनी दूर तक कूद सकते हैं।'

आदमी वहां से चला गया। दरअसल, यह कर्म हैं जो मायने रखते हैं, शेखी बघारने वाले शब्द नहीं।

मॉनसून में क्यों बढ़ जाती है गालों पर खुजली होने की समस्या, जाने क्या है इसका कारण

बहुत बार ऐसा होता है कि गालों पर खुजली शुरु हो जाती है और बंद होने का नाम ही नहीं लेती है. ये समस्या आपको काफी हद तक परेशान कर सकती है. कई बार ये खुजली अपने आप ठीक हो जाती है लेकिन कई बार ये इतनी ज्यादा हो जाती है कि आपको इससे असहजता भी हो सकती है. गालों पर खुजली किसी भी मौसम में हो सकती है लेकिन ये समस्या मॉनसून के समय ज्यादा देखी जाती है. गालों पर लगातार खुजली होने के कारण आपको कई बीमारी भी हो सकती है. इसलिए इसे नजरअंदाज करना बिलकुल भी सही नहीं है. आइए जानते हैं गालों पर खुजली होने का क्या कारण हो सकता है.

धूप

गालों पर लगातार खुजली की समस्या का कारण धूप भी हो सकता है. अक्सर धूप में जाने की वजह से या ज्यादा देर धूप में रहने की वजह से सनबर्न हो जाता है जो खुजली का कारण हो सकता है. तो अगर आपकी स्किन सेंसटिव है तो कोशिश करें कि गालों को सीधा धूप के कॉनटैक्ट में ना लाएं.

गलत प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल

गालों पर खुजली का सबसे बड़ा कारण हो सकता है गलत स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना. बहुत बार ऐसा होता है कि लोग बिना सोचे समझे मेकअप प्रोडक्ट खरीद लेते हैं जो उनके लिए एलर्जी का कारण बन सकता है जिसकी वजह से गालों पर खुजली शुरु हो सकती है. इसलिए कोई भी नया प्रोडक्ट ट्राई करने से पहले उसका पैच टेस्ट जरूर करें ताकी आप होने वाले एलर्जी से बच सकें. इस बात का विशेष ध्यान रखें कि गालों पर ज्यादा कैमिकल वाले प्रोडक्ट का इस्तेमाल ना करें और अपने स्किन के मुताबिक ही प्रोडक्ट को चुने.

गंदगी

कई बार चेहरे की ठीक से सफाई ना होने के कारण भी खुजली की समस्या हो सकती है. खासकर पुरुषों में अगर वो दाढ़ी बड़ी रखते हैं और ठीक से सफाई नहीं करते हैं तो खुजली होनी शुरु हो जाती है. ऐसे में कोशिश करें कि चेहरे की सफाई के लिए फेस वॉश का इस्तेमाल करें. महिलाएं अपना मेकअप हटाने के लिए डायरेक्ट फेस वॉश के इस्तेमाल से बचें क्योंकि मेकअप के छोटे कण त्वचा में अंदर जाने पर इंफेक्शन का कारण बन सकते हैं. फेस वॉश की जगह आप गुलाब जल या टोनर का इस्तेमाल कर सकती हैं.

मानसून में खिल उठता है मांडू

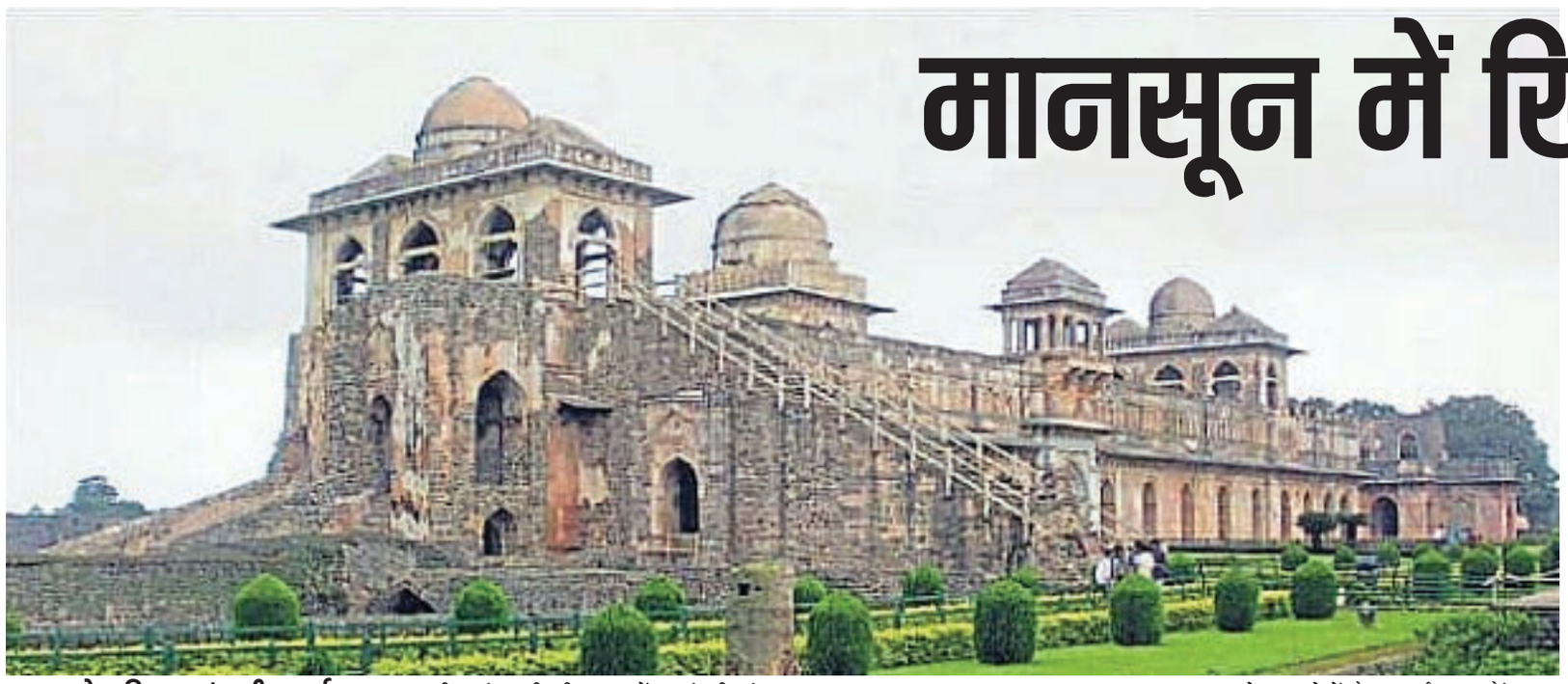

मध्य प्रदेश स्थित मांडू की जादुई खूबसूरती देखनी हो, तो बारिश के मौसम में यहां आइए। बारिश में यहां की हरियाली, झील की झिलमिलाती धाराएं और प्राचीन चट्टानें एक ऐसा दृश्य प्रस्तुत करती है, जिसकी भव्यता को शब्दों में चित्रित करना मुश्किल है। मांडू के मुख्य आकर्षणों से रूबरू करा रहे हैं -संजय शेफर्ड

भारत में शायद ऐसी कोई जगह नहीं है, जो मानसून के मौसम में मांडू की सुंदरता की बराबरी कर सके। मुगल बादशाह जहांगीर ने भी इस छोटे से कस्बे की पहली बार यात्रा के दौरान इसकी प्रशंसा की थी। सच में, यहां की धुंध और बारिश शहर के रहस्य को और बढ़ा देती है। लेकिन इसे महसूस करने के लिए खुद यहां आना पड़ेगा। इस शहर में आपको वास्तुकला के कई अद्भुत नमूने दिखाई देंगे, जोकि इस जगह की शान हैं, जैसे लोहानी गुफा, मांडू के सबसे आकर्षक स्मारकों में से एक है। गुफाओं का परिवेश सुंदर है, विशेष रूप से मानसून में जब पहाड़ियों की ढलानों के साथ हरी-भरी हरियाली होती है और गुफाओं के प्रवेश द्वार के ठीक किनारे एक सुरम्य जलधारा बहती है। हालांकि मेरे लिए गुफाओं की यूएसपी सैकड़ों साल पहले हमारे पूर्वजों द्वारा बनाई गई किसी चीज को देखने का रोमांच मात्र है। गुफाओं में प्रवेश करने और यह सोचने के लिए कि लोग कहां सोते थे, उन्होंने खुदी हुई खिड़की के बाहर कैसे देखा होगा, अपने आप में एक अद्भुत अनुभव है।

बाज बहादुर महल

यहां से पूरे मांडू का बहुत ही खूबसूरत और दिल को थाम लेने वाला प्राकृतिक नजारा दिखाई देता है। असल में, यह महल रूपमती व बाज बहादुर के बीच घटी उस प्रेम कहानी का गवाह है, जो धर्म और दुनियादारी से परे थी। बारिश में हरियाली के बीच खड़ी खूबसूरत संरचनाएं मनमोहक लगती हैं और पूरा मांडू जश्न के मूड में नजर आता है।

जहाज महल

इस महल के किनारों पर दो तालाब बनाए गए हैं और उनके बिल्कुल बीच में जहाज के आकार का एक महल बनाया गया। अपने इस आकार की वजह से ही इसे जहाज महल का नाम दिया गया। अपनी खूबसूरती व बनावट की वजह से यह लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहता है। इसके अलावा आप हिंडोला महल जा सकते हैं, जिसकी बनावट उतनी ही अनोखी है, जितना उसका नाम। इसके नाम के पीछे की कहानी यह है कि महल की दीवार थोड़ी झुकी है, जिसकी वजह से दूर से देखने पर महल झूले की तरह नजर आता है।

और भी हैं कई जगहें

मांडू की सबसे पसंदीदा जगहों में शुमार दरिया खान का मकबरा भी देखने लायक है, जिसे बेहद ही महत्वपूर्ण कलाकृति के तौर पर प्रदर्शित किया जाता है। इस मकबरे की दीवारों पर बनी कलाकृतियों और नक्काशी को देखकर, ऐसा लगता है कि हम किसी और दुनिया में प्रवेश कर गए हैं। इसके अलावा रेवा कुंड, मस्जिद जामी का भी अपना एक अलग आकर्षण है।

कैसे व कब जाएं

मांडू घूमने का सबसे अच्छा समय वैसे तो अक्तूबर से मार्च तक होता है, लेकिन मानसून में इसकी सुंदरता कुछ अलग ही होती है। प्रकृति प्रेमियों के लिए घूमने का यह अच्छा समय है। आप भी अगर यहां जाने की सोच रहे हैं, तो आप यहां अपनी सहूलियत के हिसाब से एयर, रेल और सड़क मार्ग से जा सकते हैं। यहां का नजदीकी एयरपोर्ट इंदौर है, जो मांडू से महज 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। निकटतम रेलवे स्टेशन रतलाम है, जोकि मांडू से 105 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसके अलावा देश के कुछ मुख्य शहरों से मांडू के लिए बस भी चलती हैं। यहां रुकने के लिए मध्य प्रदेश टूरिज्म के होटल के साथ-साथ कुछ रिजॉर्ट्स भी हैं, जहां आप अपनी सुविधा के हिसाब से रह सकते हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रमा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

स्वावलंबी महिला विकास समिति द्वारा महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का प्रयास

गरियाबंद। स्वावलंबी महिला विकास समिति द्वारा सिलाई प्रशिक्षण सत्र का सम्पन्न हुआ।स्वावलंबी महिला विकास समिति की से महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन की दिशा में सेवा प्रकल्प सिलाई प्रशिक्षण केंद्र विषय पर सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आत्मनिर्भर कार्यशाला लगाकर ग्राम पथरमोंहदा,भिलाई की महिला एवम् बालिका को स्वरोजगार के लिए सिलाई प्रशिक्षण 3 महिने तक दिया गया, सिलाई प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन जनपद पंचायत अध्यक्ष लालिमा ठाकुर की ओर से सभी को प्रमाणपत्र दे कर किया गया।महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य संस्थान ने 300 महिलाओं को सिलाई सिखाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। समिति की अध्यक्ष तनु साहू ने बताया कि स्वावलंबी महिला विकास समिति की पूरी टीम के सहयोग से यह सदकार्य कार्य आगे बढ़ता जा रहा है।उन्होंने कहा कि सिलाई केंद्र के माध्यम से जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई कार्य सिखाकर आत्मनिर्भर बनाने में स्वावलंबी महिला विकास समिति अपनी भूमिका निभा रही है।यह महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में पत्थर का मील साबित होगा।उन्होंने कहा कि आज के समय में महिलाओं को परिवार के आर्थिक संबल प्रदान करने की महती आवश्यकता है। इस कार्य को सीखकर ये महिलाएं स्वयं आत्मनिर्भर बन परिवार में आर्थिक मजबूती प्रदान करेंगी। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती एवं मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।स्वावलंबी महिला विकास समिति द्वारा विगत तीन माह से बहनों को सिलाई प्रशिक्षण बड़ी कुशलता से दिया गया है। सिलाई प्रशिक्षण सीमा गायकवाड ने दिया। जिससे प्रभावित होकर कई और बहनें भी इस प्रशिक्षण में सम्मिलित हुई है।नए सत्र मे 30 बहनों ने नामांकन दर्ज किया है।

ग्रामीण महिलाएं स्व-सहायता समूह से जुड़कर आर्थिक रूप से हो रही हैं सशक्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण योजना साबित हो रही है। इस योजना के सफल क्रियान्वयन होने से ग्रामीणों को अपने घर में ही आर्थिक लाभ अर्जित करने का साधन मिला है। खास तौर पर महिलाओं के लिए गोधन न्याय योजना काफी उपयोगी एवं लाभकारी साबित हो रही है। गौठानों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव तो आ ही रहा है , स्व सहायता समूह की महिलाएं भी आर्थिक दृष्टिकोण से भी सशक्त हो रही हैं। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिला अंतर्गत विकासखंड छुईखदान के ग्राम पथर्रा मे सिद्धि स्व सहायता समूह की महिलाओं ने गोबर खरीदी एवं वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण कर इनके बिक्री से होने वाले लाभ के फलस्वरूप बहुत कम समय में ही खुद को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाया है। स्व सहायता समूह की महिलाओं ने चरणबद्ध तरीके से अब तक लगभग 643 क्विंटल वर्मी कंपोस्ट और लगभग 65 क्विंटल सुपर कंपोस्ट का निर्माण किया है । इन महिलाओं द्वारा कुल 67 हजार 560 किलोग्राम खाद विक्रय से इन्हें लगभग 2 लाख 50 हजार रूपये की आय अर्जित हुई है। रीपा (महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क) से जुड़कर समूह की महिलाएं मुर्गी पालन का भी कार्य कर रही हैं। इससे अर्जित आय का उपयोग ये महिलाएं अपने खेती बाड़ी एवं घरेलू कार्य में कर रही हैं।

बस्तर से कांग्रेस का बूथ चलो अभियान का शुभारंभ

रायपुर। कांग्रेस का बूथ चलो अभियान का शुभारंभ बस्तर संभाग से शुरू हुआ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सैलजा कांकेर विधानसभा के नवागांव, गोविंदगढ़ के बूथों पर तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने भानुप्रतापपुर विधानसभा के चारामा बूथ पर बूथ पदाधिकारियों की मीटिंग लेकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रभारी कुमारी सैलजा एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम बूथ कमेटी के पदाधिकारियों से पूरी एकजुटता से कांग्रेस की विचारधारा एवं कांग्रेस सरकार के कामों को जन-जन तक ले जाने एवं आने वाले चुनाव में एक बार फिर से कांग्रेस की सरकार बनाने का संकल्प लिया। प्रभारी कुमारी सैलजा एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम कांकेर के मचांदुर बूथ के कार्यक्रम में भी शामिल हुये।राष्ट्रीय सचिव सप्तगिरी शंकर उल्का बस्तर विधानसभा, मंत्री टी.एस. सिंहदेव चित्रकोट विधानसभा, डॉ. शिवकुमार डहरिया बीजापुर विधानसभा, मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह कोण्डागांव विधानसभा, मंत्री कवासी लखमा दंतेवाड़ा विधानसभा, वरिष्ठ नेता सत्यनारायण शर्मा केशकाल विधानसभा, संसदीय सचिव विकास उपाध्याय अंतागढ़ विधानसभा, सांसद दीपक बैज कोन्टा विधानसभा, सांसद फूलोदेवी नेताम नारायणपुर विधानसभा में शामिल हुये। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी एवं महामंत्री रवि घोष, पियुष कोसरे भी उपस्थित थे।

26 बालिकाओं को वितरित की गई साइकिलें

शिक्षा मंत्री टेकाम ने शाला प्रवेशी बच्चों का तिलक लगाकर किया स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवीन शिक्षा सत्र के प्रारम्भ होने के प्रथम दिवस पर छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम एवं राज्य हस्तशिल्प बोर्ड अध्यक्ष श्री चंदन कश्यप कोण्डागांव में आयोजित जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर शिक्षा मंत्री द्वारा शाला में प्रवेश करने वाले बच्चों का तिलक लगाकर फूलमाला के साथ स्वागत करते हुए उन्हें स्कूली गणवेश एवं पाठ्य पुस्तकें प्रदान की गयी।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री टेकाम ने जिले में 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं में पिछले वर्ष की तुलना में बहुत अच्छे परीक्षा परिणामों के लिए बधाई देते हुए कहा कि राज्य शासन द्वारा गुणवत्तायुक्त शिक्षा को बहुत महत्व दिया जा रहा है।

शिक्षा के उत्कृष्ट संस्थानों के रूप में हर जिले में आत्मानंद स्कूल प्रारंभ किए जा रहें हैं। एक समय था जब लोग निजी स्कूलों में प्रवेश हेतु प्रयास किया करते थे अब लोग स्वामी आत्मानंद में प्रवेश हेतु प्रयास कर रहें हैं जो उनकी गुणवत्ता का परिचायक हैं। उन्होंने बताया कि पहले राज्य में केवल 02 आत्मानंद संस्थानों के साथ शुरुआत हुई थी पर उनके बेहतर परिणामों को देखते हुए अब राज्य में 700 से अधिक आत्मानन्द विद्यालय खोले जा रहे हैं।

डॉ टेकाम ने बताया कि शासन द्वारा स्कूलों के बेहतर प्रबंधन के लिए स्कूल जतन योजना प्रारम्भ की गई है ताकि स्कूलों की आधारभूत सुविधाओं में उन्नयन के साथ बच्चों को अच्छा माहौल भी प्रदान किया जा सके। इसके साथ ही बालबाड़ी, 10 हज़ार से अधिक शिक्षकों की भर्ती, अंतराष्ट्रीय स्तर के स्कूल के निर्माण जैसे कार्य भी शासन द्वारा किये जा रहे हैं। उन्होंने कोरोना काल में शिक्षकों द्वारा बच्चों के लिए किए गए नवाचारी प्रयोगों को भी सराहा और जिले में 33 स्कूलों को शतप्रतिशत परिणाम पाने पर प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर राज्य हस्तशिल्प बोर्ड अध्यक्ष एवं विधायक नारायणपुर श्री चन्दन कश्यप ने शाला में प्रवेश करने वाले बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मैं खुद एक शिक्षक रहा हूं ऐसे में शिक्षक के रूप में अनुभव को साझा देते हुए बताया कि शिक्षक केवल मार्ग दिखाने का कार्य करते हैं। शिक्षकों के दिखाए मार्ग को जो अनुशरण करता है वह निश्चय ही सफ्लता प्राप्त करता है। शासन द्वारा बच्चों को नि:शुल्क उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रयास किया जा रहा है जिसका परिणाम है कि राज्य के पिछड़े क्षेत्रों में बच्चे भी अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और सभी के साथ कंधे से कंधा मिला कर आगे बढ़ रहे हैं।

इस कार्यक्रम ने 26 बालिकाओं को शिक्षा मंत्री द्वारा साइकिल का वितरण किया गया साथ ही उन्होंने बालिकाओं से चर्चा करते हुए उन्हें सायकिल प्राप्ति पर बधाई देते हुए उन्हें पढ़कर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया।

इस दौरान जनपद पंचायत माकड़ी अध्यक्ष श्रीमती मोतीबाई नेताम, कोण्डागांव जनपद पंचायत उपाध्यक्ष मनोज सेठिया सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी-कर्मचारी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

अब बच नहीं पाएंगे बैंक घोटाले के रिश्वतखोर भाजपाई - कांग्रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने इंदिरा प्रियदर्शिनी महिला सहकारी बैंक घोटाले के दस्तावेज पुलिस के सुपुर्द हो गया अब बैंक घोटाले को दबाने के लिए करोड़ों रुपए की रिश्वतखोरी करने वाले रमन सिंह, बृजमोहन अग्रवाल, रामविचार नेताम, अमर अग्रवाल एवं उनके सहयोगी अब बच नहीं पाएंगे। पुलिस को जो दस्तावेज सौंपे गए हैं, उनमें फोरेंसिक रिपोर्ट, बैंक मैनेजर के नार्को टेस्ट की सीडी, ब्रेन मैपिंग रिपोर्ट सहित महत्वपूर्ण साक्ष्य हैं, जिनके आधार पर विवेचना कर सत्य को सामने लाकर उसे प्रमाणित किया जा सकता है।

भाजपा की सरकार ने 54 करोड़ के बैंक घोटाले को दबाया था। इसमें भाजपा सरकार के मंत्रियों को रिश्वत देने की बात बैंक मैनेजर ने कबूल की थी। अब अदालत के आदेश पर अब मामला खुल गया है और भाजपा के भ्रष्टाचार की कलई खुलने के पुख्ता सबूत उपलब्ध हो गए हैं तो भाजपा बदहवास हो गई है। उसे अपने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह और उनकी भ्रष्ट मंत्री मंडली के जेल जाने की नौबत आ गई है तो भाजपा के पैर के नीचे की जमीन खिसक गई है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि रमन राज में 15 साल में इतने घोटाले हुए हैं कि इन भ्रष्टाचारियों को कोई नहीं बचा सकता। इन्हें छत्तीसगढ़ की जनता का धन लूटने का दंड भुगतना ही पड़ेगा। भाजपा अपने भ्रष्टाचारी गिरोह के बचाव में प्रमाण मांगती है तो अब यह प्रमाण सामने हैं। अदालत से इनके खिलाफजांच के आदेश जारी होना भी एक प्रमाण है कि अदालत ने प्रथम दृष्टया इनकी जांच की जरूरत समझी है। अभी तो यह शुरुआत है। पूरी उम्मीद है कि रमन भाजपा सरकार के सभी घोटाले इसी प्रकार कानून की चौखट पर आएंगे। पूर्व रमन सरकार में हुई नान और चिटफंड घोटाले की जांच के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कितनी बार मांग की है लेकिन मोदी सरकार और उसकी एजेंट ईडी को अरबों रुपये की मनी लांड्रिंग की जांच करने में गुरेज है क्योंकि उसमें भाजपा के अलीबाबा और सारे चोर फंस कर जेल जा सकते हैं। अभी केंद्र में भाजपा की सरकार है तो ये भ्रष्टाचारी घोटालेबाज ईडी की छत्रछाया में हैं लेकिन अगले साल केंद्र से भाजपा जाने वाली है।

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना से संवर रहे बिलासपुर जिले के 1365 स्कूल भवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश की शालाओं में उच्च स्तर की अधोसंरचनात्मक सुविधाएं विकसित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना शुरू की गई है। बिलासपुर जिले के 1365 स्कूलों को संवारने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप स्कूलों का कायाकल्प होने से बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर परिवेश मिलेगा।

कलेक्टर सौरभ कुमार के मार्गदर्शन में इस योजना के तहत स्कूल भवनों को संवारने का कार्य निरंतर जारी है। 74 करोड़ 74 लाख 59 हजार रूपए की लागत से 1365 स्कूलों का कायाकल्प किया जा रहा है। इन स्कूलों में छतों को सुधारने का काम, पॉलिश, दीवारों में रंगरोगन, शौचालयों की मरम्मत के साथ साज सज्जा का कार्य किया जा रहा है। स्कूल भवनों की पुताई का काम प्राकृतिक गोबर पेंट से किया जा रहा है। इससे स्कूल भवन देखने में काफी आकर्षक लग रहे है।

जिले के जिन स्कूलों में मरम्मत का कार्य पूरा हो गया है। वे बिल्कुल नये स्वरूप में नजर आ रहे है। इन स्कूल के बच्चों को बेहतर परिवेश में पढ़ने की सुविधा मिलेगी। जिन स्कूलों में मरम्मत कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां के ग्रामीण मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि इस योजना से बच्चों को बेहतर स्कूल भवन मिलेगा और वे अच्छे से पढ़ाई कर पाएंगे।

प्रदेश में झमाझम बारिश: मानसून 4-5 के बजाए दो दिन में ही फैला, अच्छी वर्षा से जून की कमी पूरी होगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून भले ही 10 दिन लेट आया, लेकिन ऐसा कम ही होता है कि यह सिर्फदो दिन में बस्तर से सरगुजा तक समान रूप से फैलकर सक्रिय हो गया। जबकि बस्तर से सरगुजा तक बारिश शुरू होने में आमतौर से तीन से पांच दिन लग ही जाते हैं। दूसरी खास बात ये है कि देरी से आए मानसून की शुरुआती बारिश अब जून की कमी भी पूरी कर रही है। 23 जून तक बारिश 75 प्रतिशत शार्ट थी। 48 घंटे की वर्षा से ही शार्टेज घटकर 65 प्रतिशत रह गया है। अभी जिस तरह से सिस्टम बन रहे हैं, उस आधार पर मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि जून का शार्टेज समाप्त हो सकता है, या 10-20 प्रतिशत तक ही बचेगा।

मानसूनी गतिविधियां पूरे छत्तीसगढ़ में सक्रिय हैं। आने वाले एक हफ्ते तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्से में भारी से अतिभारी बारिश के आसार हैं। दरअसल इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून की एंट्री अच्छी हुई है। पहले ही दिन मानसून बस्तर से दुर्ग और अगले दिन रायपुर से सरगुजा तक सक्रिय हो गया। यही नहीं, पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में अच्छी बारिश भी हुई है। शनिवार रात से बिलासपुर में जमकर वर्षा हो रही है। वहां मानसून सक्रिय होने के बाद से रविवार को सुबह साढ़े 8 बजे तक और फिर इस समय से शाम साढ़े 5 बजे तक यानी 24 घंटे में ही 8 सेमी से ज्यादा (80.4 मिमी) पानी बरस चुका है।

पुसौर में सबसे ज्यादा 100 मिमी बारिश

रायगढ़ के पुसौर में पिछले 24 घंटे में सर्वाधिक 100 मिमी पानी बरसा है। सिमगा में 90, सारंगढ़, बलौदाबाजार में 70, बरमकेला, धरमजयगढ़, पलारी में 60 और डभरा, लाभांडी, कसडोल, तमनार, बैकुंठपुर, माना में 50 मिमी वर्षा हुई। राजधानी रायपुर में 31.8 मिमी पानी बरसा। रविवार को सुबह साढ़े आठ से शाम साढ़ पांच बजे तक 15.6 मिमी पानी बरस गया। माना में 13, अंबिकापुर में 18 और दुर्ग में 23 मिमी वर्षा हुई।

आज भी कई इलाकों में बरसेगा पानी

मौसम विज्ञानियों के अनुसार हरियाणा से उत्तरप्रदेश- मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ होते हुए द्रोणिका गुजर रही है। उत्तरप्रदेश में एक चक्रवात है। ओड़िशा-पश्चिम बंगाल के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र है। इन सिस्टम की वजह से प्रदेश में काफी नमी आ रही है। राज्य के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। सोमवार को एक-दो जगहों पर भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है।

भारतीय नौसेना की स्वदेशीकरण आवश्यकताओं के बारे में एक संवादमूलक सम्मेलन और बिजनेस टू बिजनेस सत्र का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। ' 'भारतीय नौसेना की स्वदेशीकरण आवश्यकताओं के बारे में एक संवादमूलक सम्मेलन और बिजनेस टू बिजनेस (बी2बी) सत्र का आयोजन: उद्योगों के लिए अच्छा अवसर'' का आयोजन भारतीय नौसेना ने फेडरेशन ऑफइंडियन चैंबर्स ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से आज फिक्की फेडरेशन हाउस के हरि शंकर सिंघानिया आयोग सभागार में किया गया।

इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि वाइस एडमिरल संदीप नैथानी, चीफ ऑफ मैटेरियल थे, जिन्होंथने मुख्यं भाषण दिया।

इस सम्मेलन ने उद्योग/एमएसएमई/स्टार्टअप्सद को भारतीय नौसेना कर्मियों के साथ बातचीत करने का एक विशेष अवसर प्रदान किया तथा सभी हितधारकों को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता अर्जित करने की दिशा में भारतीय नौसेना की स्वदेशीकरण योजनाओं/प्रमुख आवश्यकताओं के बारे में सामूहिक रूप से विचार-विमर्श करने के लिए एक मंच प्रदान किया। भारतीय नौसेना और उद्योग/एमएसएमई/ स्टार्टअप्सक के मध्य समर्पित बी2बी विचार-विमर्श का आयोजन किया गया और 'लक्षित गोलमेज' चर्चाओं के हिस्से के रूप में नौसेना की प्रमुख स्वदेशीकरण आवश्यकताओं के बारे में चर्चा की गई।

इस सम्मेलन से भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' विज़न के अनुरूप स्वदेशीकरण को बढ़ावा मिला है। इस सम्मेलन में 100 से अधिक उद्योग/ एमएसएमई/ स्टार्टअप्सक शामिल हुए।

विभिन्न शालाओं में उत्साह के साथ मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

बालोद। कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार शिक्षा सत्र 2023-24 के पहले दिन आज जिले के विभिन्न शालाओं में पूरे उत्साह के साथ शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया। प्रवेशोत्सव में उपस्थित शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने नौनिहालों का तिलक लगाकर एवं मुँह मीठा कराकर स्वागत अभिनंदन किया। जिला मिशन संचालक अनुराग त्रिवेदी ने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार आज 26 जून से 15 जुलाई तक जिले के सभी 816 प्राथमिक शाला सहित 410 पूर्व माध्यमिक शाला एवं 173 हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी स्कूलों में शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन किया जाना है। पलायन करने वाले, भेड़ बकरी चराने वाले, छोटे-भाई बहनों की रखवाली झिल्ली पन्नी बिनने वाले बच्चों को विशेष रूप से चिन्हांकित कर शाला में प्रवेश दिलाया जाएगा।

खास-खबर

किसान को धमकाने वाला युकां नेता गिरफ्तार, कांग्रेस पार्टी के नोटिस के बाद देना पड़ा इस्तीफा

बिलासपुर। युवा कांग्रेस बिलासपुर जिला शहर अध्यक्ष शेरू असलम को किसान के साथ दंबगई करना इस कदर भारी पड़ा कि उसे इस्तीफा देना पड़ गया। इस मामले में कांग्रेस पार्टी ने नोटिस जारी किया था। वहीं एफआईआर के बाद पुलिस ने शेरू असलम को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद शेरू असलम ने अपना इस्तीफा युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा को भेजा है।

बता दें बिलासपुर युवक कांग्रेस के जिला शहर अध्यक्ष शेरू असलम का बीते दिनों किसान को धमकाते एक विडियो वायरल हुआ था। मीडिया में मामला आने के बाद कांग्रेस नेता के दबंगई को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे थे और युवा नेता पर कार्रवाई की मांग उठ रही थी। विपक्ष भी मामले को लेकर हमलावर था। जिसके बाद पार्टी ने भी युवा नेता को नोटिस जारी कर लिखित में स्पष्टीकरण मांगा था। मामले में किसान की शिकायत पर पुलिस ने भी शेरू असलम के खिलाफ मामला दर्ज किया था। शेरू की गिरफ्तारी के साथ उसे सिटी मजिस्ट्रेट के कोर्ट में पेश किया गया। जहां से शेरू असलम को कोर्ट ने जेल भेज दिया। इस कार्रवाई के साथ ही युवा नेता शेरू असलम ने युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा को नोटिस के जवाब के साथ अपना इस्तीफा सौंप दिया है। युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मामले के सामने आने के बाद पार्टी ने शेरू असलम को नोटिस जारी किया था। मामले की जांच के साथ शेरू असलम ने जवाब के साथ अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बताया कि पार्टी किसी भी ऐसी गतिविधि को सपोर्ट नहीं करती है, जिससे पार्टी और संगठन की छवि खराब होती है।

ईडी से बचाने का झांसा देकर आबकारी असफरों से ठगी, अमरावती से दो गिरफ्तार

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से बचाने का झांसा देकर आबकारी विभाग के दर्जनभर अफसरों से लाखों रुपये वसूलने वाले दो ठगों को पुलिस ने अमरावती (महाराष्ट्र) से गिरफ्तार किया है। रायपुर पुलिस आज पूरे मामले का राजफाश कर सकती है। बतादें कि कथित तौर पर दो हजार करोड़ की शराब गड़बड़ी की जांच कर रहे ईडी की कार्रवाई से बचाने का झांसा देकर अफसरों से वसूली की गई थी। जब आबकारी अफसरों को ईडी अपने दफ्तर बुला रही थी, तब ये दोनों सक्रिय हुए थे। इसके बाद कई अफसरों को अपने झांसे में लेकर वसूली कर ली। जानकारी के अनुसार ईडी की कार्रवाई से बचाने और कथित तौर पर डायरेक्टर से मुलाकात करवाने का झांसा देकर ठगों ने कुछ अफसरों से 50-50 लाख रुपये में सौदा किया था। एडवांस के तौर पर पांच-पांच लाख रुपये वसूले गए थे।

रात्रि गश्त के दौरान दुर्ग पुलिस को मिली बड़ी सफलता

खेतों से टुल्लुपंप और सोलर तार चुराने वाला गिरोह पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के पाटन क्षेत्र में रानीतराई पुलिस ने खेतों में टुल्लु पंप व सोलर तार जैसे सामान चोरी करने वाले गिरोह को पकड़ा है। रात्रि गश्त के दौरान पुलिस को यह सफलता मिली। यही नही जिस गिरोह को पुलिस ने पकड़ा उनसे एक नहीं बल्कि 6 चोरियों का खुलासा हुआ है। पुलिस ने इस मामले में 6 आरोपियों के साथ ही खरीदार को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लगभग एक लाख रुपए का मशरुका बरामद किया है।

दरअसल पुलिस को रानीतराई क्षेत्र के आस-पास खेत में लगे सोलर केबल, मोटर पंप चोरी की सूचना लगातार मिल रही थी। इसके बाद पुलिस ने चोरों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। इस बीच 24 व 25 जून की दरमियानी रात को गश्त के दौरान ग्राम तेलीगुण्डरा से ग्राम असोगा 1 बाइक पर 03 लड़के बोरी में कुछ सामान रखे दिखे। तीनों को रुकने का इशारा करने पर वे भागने लगे। इसके बाद पुलिस ने तीनों का पीछा कर उन्हें पकड़ा। बोरी की जांच में केबल तार भरा मिला।

दिन में बाइक से रेकी और रात में चोरी

पूछताछ में इन युवकों ने बताया कि तार चोरी का है। वे अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर खेतों में चोरी की घटना को अंजाम देते थे। आरोपियों ने बताया कि बाइक से दिन में रेकी करते थे, उसके बाद शाम से आधी रात के बीच चोरी की घटना को अंजाम देते थे। इनके द्वारा ग्राम रेंगाकठेरा, कोही, भन्सुली, चुलगहन, पाहन्दा, जामगांव आर क्षेत्र में पंप, केबल वायर चोरी किया गया है। जिसके कुछ सामान को गिधपुरी के कबाड़ी ललित साहू को बेचना बताया। केबल तार को जलाकर इसका तांबा पाटन के लक्ष्मीकांत देवांगन को बेचना बताया। आरोपियों के बयान के अधार पर खरीदारों को भी गिरफ्तार किया गया।

पांच चोर व दो खरीदार भी हुए गिरफ्तार

पकड़े गए आरोपियों में राजेश उर्फ गोलू निवासी ग्राम गिधपुरी बलौदाबाजार, रतून देवार निवासी बांसटाल के पीछे देवार मोहल्ला धमतरी, अर्जुन देवार निवासी रानीतराई, ज्वाला देवार आजाद चौक देवार मोहल्ला पाटन, अजय देवार निवासी आजाद चौक, देवार मोहल्ला पाटन व कुशल कुमार कोसे निवासी ग्राम खोरपा पाटन शामिल हैं। वहीं गिरफ्तार खरीदारों में ललित साहू निवासी ग्राम कुरूद, थाना आरंग, जिला रायपुर तथा लक्ष्मीकांत देवांगन निवासी गांधी चौक, पाटन शामिल हैं। उक्त आरोपियों के खिलाफ धारा 379, 411, 34 भादवि. में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेजा गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी ऐनु कुमार देवांगन, सहायक उप निरीक्षक रेमन साहू, नकुल ठाकुर, आरक्षक धनंजय, अखिलेश, तिलेश साहू, तुकाराम निर्मलकर, तुलेथ धनकर, सुरेश ठाकुर का विशेष योगदान रहा।

बहन की पिटाई होता देख जीजा की चाकू मारकर कर दी हत्या

- सरकंडा थाने की घटना, आरापी भी घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में बीती रात साले ने अपने जीजा की हत्या कर दी। जीजा उसकी बहन से मारपीट कर रहा था और साला पहुंचा और काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं माना और चाकू गोदकर जीजा की हत्या कर दी। यह पूरा मामला सरकंडा थाना क्षेत्र के देवनंदन नगर की है। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी अनुसार देवनंदन नगर निवासी अजय शर्मा का अपनी पत्नी से आए दिन विवाद होता रहता था। रविवार को भी वह अपनी पत्नी से विवाद कर रहा था। इसकी जानकारी मिलने के बाद उसका साला संजीव वाजपाई वहां पहुंची और विवाद शांत कराने का प्रयास किया। बताया जा रहा है इस दौरान विवाद शांत होने के बजाय बढ़ता गया और अजय शर्मा अपनी पत्नी की पिटाई करता रहा।

बहन की पिटाई संजीव से बर्दाश्त नहीं हुई और उसने चाकू से जीजा पर वार कर दिया। इससे अजय शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं इस विवाद के दौरान संजीव को भी काफी चोटें आई हैं। पुलिस जब पहुंची तो आरापी के शरीर पर चोट के निशान दिखे। इसके बाद पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

महिला ने पति की गला घोंटकर की हत्या, मां और भाई के साथ मिलकर पेड़ पर लटका दी लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में शराबी पति से तंग पत्नी ने उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद मां व भाई के साथ मिलकर पेड़ शव को टांग दिया। इसके बाद पुलिस को यह बताया कि उसके पति ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया तो पता चला कि मृतक की गला दबाने से मौत हुई। इसके बाद पुलिस ने महिला सहित उसकी मां व भाई को गिरफ्तार कर लिया। मामला चिल्फी थाना क्षेत्र का है।

दरअसल 17 जून को पुलिस से सूचना मिली थी कि, ग्राम तुरैयाबहरा डोंगरी में बोड़ला के ग्राम पालक निवासी धूर सिंहबैगा (40) ने जामुन पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम पहुंची और पंचनामा के बाद शव का पीएम कराया। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इधर घटना के कुछ दिन बाद पीएम रिपोर्ट आई जिसमें पता चला कि धूर सिंह ने खुदकुशी नहीं की बल्कि उसकी गला घोंटकर हत्या की गई।

पूछताछ में हुआ खुलासा

पीएम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर मृतक की पत्नी महातरीन बाई को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने परिजनों के साथ मिलकर हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। पत्नी महातरीन बाई ने बताया कि, 15 जून की रात करीब 9-10 बजे उसका पति घूरसिंह बैगा से विवाद हुआ था। महातरीन बाई ने रोज शराब पीकर झगड़ा करने की बात को लेकर पति की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद अपने भाई बृजलाल मेरावी और मां मनकी बाई के साथ मिलकर धुरसिंह बैगा के शव को घर के पास डोंगरी में जामुन पेड़ से साड़ी को फंदा बनाकर लटका दिया। खुलासे के बाद पुलिस ने महतारिन बाई, उसके भाई, बृजलाल मरावी और मां मनकी बाई सोमवार को गिरफ्तार किया और न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

कोरबा में ड्यूटी जा रहे ट्रांसपोर्ट कंपनी के सुरवाइजर से लूट

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में बदमाशों ने रविवार रात को ट्रांसपोर्ट कंपनी के सुपरवाइजर को चाकू मारकर लूट लिया। सुरवाइजर ड्यूटी से लौट रहा था इस दौरान तीन बदमाशों ने रास्ता रोका और एक ने चाकू निकालकर हमला कर दिया। इसके बाद उसका मोबाइल व जेब में रखी नगदी लूटकर फरार हो गए। इधर घायल सुपरवाइजर को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मिली जानकारी के अनुसार गांधीनगर नगर सिरकी निवासी श्रीराम कोहराम (32) कुसमुंडा स्थित शाह ट्रांसपोर्ट कंपनी में बतौर सुपरवाइजर काम करता है। रोज की तरह वह रविवार रात करीब 9 बजे ड्यूटी पर जाने के लिए बाइक पर निकला था। इस बीच कुसमुंडा-दीपका मार्ग पर गंगानगर के पास सड़क किनारे खड़े तीन युवकों ने उसे जबरदस्ती रोक लिया। इसके बाद बाइक की चाबी निकाल ली। श्रीराम ने इसका विरोध किया तो बदमाशों ने उससे मारपीट की और फिर चाकू निकालकर पैर में घोंप दिया। इसके चलते श्रीराम गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद तीनों बदमाश उसकी जेब में रखी नगदी के अलावा मोबाइल और बाइक लूटकर भाग निकले। किसी तरह श्री राम मदद के लिए बस्ती वासियों के पास जा पहुंचा। उसने एक ग्रामीण के मोबाइल से अपने बड़े भाई प्रकाश को घटना की जानकारी दी। इस पर बड़ा भाई प्रकाश मौके पर पहुंचा और उसे एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

सड़क पर खड़ी ट्रक से भिड़ गए बाइक सवार, दो की मौत और एक घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में रविवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। यहां बाइक सवार तीन युवक खड़ी ट्रक से भिड़ गए। हादसे दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीसरे युवक को कई जगह चोटें आई। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि हादसे का शिकार तीनों युवक संडे मनाने निकले थे।

पुलिस की लगातार कोशिशों के बाद भी राजधानी रायपुर में सड़क हादसे नहीं थम रहे हैं। टीकरापारा थाना क्षेत्र में रात 11 बजे के करीब रायपुर के बोरियाखुर्द तालाब के पास पेट्रोल पंप के ठीक सामने बाइक सवार खड़ी ट्रक से भिड़ गए। हादसे के बाद बाइक सवार ट्रक के नीचे फंस गए। आसपास के लोगों ने तीनों को निकला। इस दौरान दो युवकों की मौत हो गई। मृतकों में मठपुरैना निवासी अमित साहू और उसका दोस्त शामिल है।

चिटफण्ड कंपनियों के 127.48 करोड़ की संपत्ति होगी कुर्क

- कोर्ट के आदेश के बाद डीजीपी अशोक जुनेजा ने समीक्षा बैठक में अफसरों को दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने आज प्रदेश के सभी रेंज के पुलिस महानिरीक्षक एवं सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने चिटफण्ड कंमनियों पर की गई कार्यवाही की समीक्षा की। इन मामलों में माननीय न्यायालय द्वारा 127 करोड 48 लाख रूपये की संपत्ति की नीलामी, कुर्की का अंतिम आदेश दिया जा चुका है। जिसमें से 54 करोड़ 90 लाख रूपये की संपत्ति नीलामी, कुर्की एवं राजीनामा से राज्य शासन के खाते में प्राप्त हो चुकी है। इस राशि में से 33 करोड़ 50 लाख रूपये की राशि 45 हजार 593 निवेशकों को वितरित की जा चुकी है।

उक्त सभी संपत्ति शीघ्र-अतिशीघ्र सक्षम अधिकारी और जिला कलेक्टर के समन्वय से नीलामी कर राशि निवेशकों को वितरित करने के निर्देश दिये गये। साथ ही राज्य के बाहर स्थित कंपनियों की संपत्ति की कुर्की-नीलामी की कार्यवाही सक्षम अधिकारी व जिला कलेक्टर के माध्यम से शीघ्र-अतिशीघ्र करने के निर्देश दिये गये। बैठक में राज्य शासन की प्राथमिकता के बिन्दु और नशीली वस्तुओं के विरूद्ध कार्यवाही एवं नशे के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान की समीक्षा की गई। इस दौरान प्रदेश में नशीले पदार्थों विशेषकर गांजा, इन्जेक्शन, टेबलेट, सीरप आदि के विरूद्ध की जाने वाली कार्यवाही की समीक्षा की गई और इसके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

इसके अलावा साथ ही सामाजिक बुराईयों यथा जूआ, सट्टा, अवैध शराब की बिक्री एवं अवैध हथियारों के खिलाफ की जा रही कार्यवाही की भी तुलनात्मक समीक्षा की गई तथा आगामी दिनों में होने वाले विधानसभा चुनावों को दृष्टिगत रखते हुए इस दिशा में प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिये गये। पुलिस महानिदेशक जुनेजा ने प्रदेश के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय आदिवासियों के विरूद्ध दर्ज आपराधिक मामलों को त्वरित निराकरण कार्यवाही की भी समीक्षा की एवं शेष रह गये प्रकरणों का माननीय न्यायालय के माध्यम से त्वरित निराकरण कराने के निर्देश दिये।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 19.06.2023

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)

प्रथम आमंत्रण

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 10.07.2023 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क. / सि.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
80 / 139208	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग क्रं. 01 बालोद के अंतर्गत मुख्यालय के विभिन्न मार्गो में बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	41.01
81 / 139210	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत सिकोसा एवं अरमरीकला उपखण्ड के विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	70.00
82 / 139211	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग क्रं. 01 बालोद के अंतर्गत दुधली क्रं. 01 उपखण्ड के विभिन्न मार्गो में बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	79.37
83 / 139212	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग क्रं. 02 बालोद के अंतर्गत के विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम. एम एवं बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	79.98
84 / 139213	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग क्रं. 01 बालोद के अंतर्गत देवरी क्रं. 02 उपखण्ड के विभिन्न मार्गो में बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	79.59
85 / 139214	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत अर्जुन्दा क्रं. 01 एवं 02 उपखण्ड के विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	75.00
86 / 139216	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	80.00
87 / 139218	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत मुख्यालय उपखण्ड के विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	78.00
88 / 139219	उपंसभाग क्रं. 02 राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	30.00
89 / 139220	उपंसभाग क्रं. 01 राजनांदगांव के अंतर्गत सोमनी मुख्यालय उपखण्ड क्रं. 1, 2, 3 एवं सुरगी उपखण्ड के विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम एवं बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	80.00
90 / 139221	उपंसभाग क्रं. 02 राजनांदगांव के अंतर्गत डोंगरगांव एवं छुरिया उपखण्ड के विभिन्न मार्गो में बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	50.00

टीप

1. एन.आई.टी.क्रं. 80 ,81, 82, 83, 84, 85, 86 एवं 87 लोक निर्माण विभाग बालोद संभाग बालोद से संबंधित है, एन.आई.टी. क्रं. 88, 89 एवं 90 लोक निर्माण विभाग राजनांदगांव संभाग राजनांदगांव से संबंधित है ।
2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. कमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मंडल, दुर्ग
दूरभाष- 0788-2210876

जी-02681/7

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

प्लेट मिल में डिफेंसिव ड्राइविंग ट्रेनिंग का आयोजन

भिलाई। संयंत्र के प्रत्येक कर्मचारी तक सुरक्षा संदेश व नियम की जानकारी पहुंचाने हेतु तथा भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेषक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता एवं कार्यकारी निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार के निरंतर प्रयासों को सफल बनाने हेतु दिनांक 24 जून 2023 को प्लेट मिल सभागार में बीआईसीएफटी रेल एवं रोड सेफ्टी के संयुक्त तत्वाधान में डिफेंसिव ड्राइविंग ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तापस दासगुप्ता की प्रेरणा से संचालित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्लेट मिल के मुख्य महाप्रबंधक आर के बिसारे ने कार्मिकों को संबोधित करते हुए कहा कि जैसे घर में और संयंत्र में कार्य करते समय सुरक्षा सर्वोपरि है वैसे ही घर से निकलकर संयंत्र पहुंचने और संयंत्र से घर वापस आने तक रेल एवं रोड सुरक्षा एक अभिन्न अंग है जिसकी अवहेलना बिलकुल नहीं की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक (विद्युत) शैलेंद्र कुमार वर्मा, महाप्रबंधक हेमंत कुमार बहुरूपी, महाप्रबंधक (यांत्रिकी) श्री जे सुधाकर और महाप्रबंधक व विभागीय सुरक्षा अधिकारी देवदत्त सारंगी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के माध्यम से डिफेंसिव ड्राइविंग में प्रशिक्षित सुश्री श्वेता झा एवं श्री विकास पात्र द्वारा प्रतिभागियों को ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही रोड ट्रायल का भी आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने बहुत ही उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में भाग लिया तथा इस आयोजन के लिए प्लेट मिल बिरादरी को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन प्लेट मिल रेल महाप्रबंधक सुनील मित्रा ने किया।

बीएसपी सीएसआर ने ग्राम पहंडोर में आयोजित की निःशुल्क चिकित्सा शिविर

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा दिनांक 24 जून, 2023 को ग्राम पहंडोर में निःषुल्क चिकित्सा षिविर का आयोजन किया गया। प्रातः 10 बजे से प्रारंभ हुए षिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी के अतिरिक्त निःषुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। इस षिविर में कुल 31 लोगों की जांच करके उनको दवाई वितरण किया गया, जिसमें 11 पुरूष, 16 महिलाएं तथा 04 बच्चे शामिल थे। आयोजित चिकित्सा शिविर में सीएसआर मेडिकल टीम की से चिकित्सक डॉ ईशा कुजूर, बीपी व शुगर परीक्षण हेतु श्रीमती फ्रिोजा जोसेफ़ फार्मासिस्ट खिलावन कुंभकार, पंजीकरण हेतु केदार नाथ यादव तथा विभाग की ओर से श्रीमती सीता सिन्हा उपस्थित थी। इस षिविर में सामान्य जांच के साथ मुफ्त दवा का वितरण भी किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की निःषुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देष्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। उल्लेखनीय है कि सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए निरन्तर स्वास्थ्य षिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय क्षेत्रों तथा खनि नगरियों में किया जा रहा है।

जिले में अब तक 74.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून से 26 जून तक 74.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सार्वाधिक वर्षा 121.0 मिमी अहिवारा तहसील में तथा न्यूनतम 26.0 मिमी. बोरी तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 82.5 मिमी, तहसील धमधा में 44.2 मिमी, तहसील पाटन में 110.3 मिमी और तहसील भिलाई 3 में 63.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

दुर्ग-भिलाई वासियों को जल्द मिलने वाला है नया टूरिस्ट स्पॉट 16.21 करोड़ रुपये से ठगड़ा बांध की बदल रही है तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत दुर्ग भिलाई को जल्द मिलने वाला है नया टूरिस्ट स्पॉट। 16.21 करोड़ रुपये से ठगड़ा बांध की बदल रही है तस्वीर, शहर में शाम गुजारने के लिए ठगड़ा बांध से सुंदर जगह भविष्य में शायद ही कोई होगी। ठगड़ा बांध की जिस तरह की लैंडस्केपिंग की जा रही है उसमें बांध की सारी रैलिंग को खूबसूरत लतादार प्लांट्स अर्थात क्रीपर्स प्लांट से सजाया जाएगा।

यह प्लांट्स फूलों वाले होंगे। अलग-अलग तरह की खुशबू वाले इन प्लांट्स की वजह से पूरा नजारा न केवल सुंदर दिखेगा अपितु खुशबू से महकता भी रहेगा। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने आयुक्त लोकेश चन्द्राकर एवं निगम अफ्सरों के साथ ठगड़ा बांध का निरीक्षण किया और इसके लैंडस्केप के संबंध में निर्देश अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने कहा कि ठगड़ा बांध का लैंडस्केप बहुत खूबसूरत होना चाहिए ताकि लोग यहां सुकून से वक्त गुजार सकें। उन्होंने कहा साल भर लगने वाले फूल लगाए। इसके अलावा खुशबूदार और रातरानी के फूलों की तरह ही पूरी शाम इनकी खुशबू और सुंदरता से भरी होगी। अभी जो भी फूलों के पौधे लगाए उसका का फोटो खींचकर व्हाट्ससप्प करें अधिकारी। कलेक्टर कहा कि ठगड़ा बांध जितना खूबसूरत बनेगा, लोगों का आकर्षण उतना ही अधिक होगा। इसके लिए लैंडस्केपिंग, लाइटिंग, मनोरंजन गतिविधियां आदि सभी पर बढिया काम हो। इस दौरान निगम कार्यपालन अभियंता राजेश पांडे, प्रकाशचंद थवानी, गिरीश दिवान, पंकज साहू, जावेद अली के अलावा ठेकेदार सहित निगम के अन्य उपस्थित थे।

ठगड़ा बांध में मधुकामिनी और तगर पौधों से बनेगी हेज

इसमें मधुकामिनी और तगर जैसे पौधे होंगे। इसके साथ ही अलग-अलग तरह की हेजिंग होगी ताकि विविधता बनी रहे। कलेक्टर मीणा ने कहा कि किसी खूबसूरत लैंडस्केप को बनाने में हेजिंग की बड़ी भूमिका होती है। इसमें विविधता होने से जगह और भी सुंदर हो जाती है। साथ ही कलेक्टर ने फ्लावर बेड के संबंध में विशेष रूप से निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इसमें दो तरह के फ्लावर्स होंगे। एक तो ऐसे फूल के पौधे जिसमें साल भर फूल लगते हैं और दूसरे सीजनल। सिमेट्रिकल होगा पाथवे, कैनोपी जैसे पौधे लगेंगे कलेक्टर ने पाथवे के संबंध में विशेष रूप से व्यवस्थित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि लैंडस्केपिंग के लिए सिमेट्री बहुत महत्वपूर्ण होती है। पाथवे में इसका पूरा ध्यान रखे। कुछ दूरी के अंतराल में कैनोपी वाले पौधे लगाएं ताकि छोटे पौधों को भी पर्याप्त रूप से बढ़त मिलती रहे। रैलिंग की ओर से ठगड़ा बांध का व्यू बहुत खूबसूरत होगा। पूरी रैलिंग क्रीपर्स प्लांट से सजी होगी। चूंकि रैलिंग डाइगोनल शेप में है अतएव सीटिंग भी डाइगोनल होगी। कलेक्टर मीणा ने इस संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि रैलिंग के लिए अलग-अलग तरह की लताओं का चुनाव करें ताकि लैंडस्केप में विविधता नजर आये।

आईलैंड में भी दिये निर्देश

अधिकारियों ने आईलैंड का निरीक्षण भी किया और यहां अधोसंरचना को लेकर हो रही प्रगति का निरीक्षण भी किया। उसके बाद कलेक्टर पुलगांव मार्केट पहुंचे जहां उन्होंने व्यपारियो से मुलाकात कर उनकी समस्यों से रूबरू हुए। व्यपारियो ने बताया कि पुलगांव कपड़ा मार्केट में बारिश के समय पानी भरने की शिकायत रहती है व्यपारियो की समस्यों को सुनकर उन्होंने जल्द निराकरण करवाने की बात कही इस दौरान व्यपारियो ने सार्वजनिक बाथरूप की मांग की। कलेक्टर ने आयुक्त को जगह चिन्हित कर डिजिटल बाथरूम निर्माण करवाने को कहा।

भिलाई में मंकिनम्मा संब्रालु 29 को, शोभायात्रा में जुटेंगे सैकड़ों श्रद्धालु, आंध्रप्रदेश व तेलंगाना की झांकियां होंगी खास

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। श्रीश्रीश्री माता धाम मंदिर, सेक्टर 7 में इस वर्ष देवी मां का भव्य महोत्सव (संब्रालु) गुरुवार 29 जून आयोजित किया गया है। सुबह से जारी इस भक्तिमय कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश की परंपरा के अनुसार माता का महोत्सव मनाया जाएगा। सुबह 8 बजे अभिषेक के साथ महोत्सव का शुभारंभ होगा। शोभायात्रा व आंध्रप्रदेश-तेलंगाना की विशेष झांकिया इस कार्यक्रम का खास आकर्षण होंगी।

माँ मंकिनम्मा जनकल्याण सेवा समिति भिलाई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष नीलम चन्नाकेशवलू, एम. कोण्डैय्या तथा बी सुग्रीव ने जानकारी देते हुए बताया कि संब्रालु की शुरुआत सुबह 8 बजे अभिषेक के साथ होगी।

इसके बाद सुबह 9:30 बजे माता का श्रृंगार किया

जाएगा। इसके बाद श्री श्री श्री माता धाम मंदिर में विशेष पूजा अर्चना होगी। इस दौरान सुबह 10:30 बजे गजमुण्डलू लेने के लिए श्रद्धालु कैंप क्षेत्र में जाएंगे। दोपहर दोपहर 03:00 बजे देवी मां की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद रात 8 बजे से महाभोग का वितरण होगा।

शोभायात्रा में शामिल होंगी आकर्षक झांकियां

नीलम चन्नाकेशवलू ने आगे बताया कि इस भक्तिमय कार्यक्रम में शोभायात्रा का खास आकर्षण इसमें शामिल झांकियां होंगी। आंध्रप्रदेश व तेलंगाना से विशेष रूप से यह झांकियां मंकिनम्मा संब्रालु में शामिल होने पहुंच रही है। इन झांकियों में विशाखापट्टनम के कलाकारों के द्वारा कोबरा डांस, काली माता, दुर्गा माता की भव्य झांकियां एवं आंध्रप्रदेश से आए कलाकारों के द्वारा परम्पारिक वाद्ययंत्रों की विशेष प्रस्तुति एवं संगीतमय कार्यक्रम विशेष आकर्षण होगा। समिति के समस्त पदाधिकारियों ने क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा है कि इस भक्तिमय कार्यक्रम में सह परिवार शामिल होकर माताजी का आशीर्वाद प्राप्त करें।

मेरा बूथ सबसे मजबूत विषय पर करेंगे बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं से संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा 27 जून मंगलवार को प्रातः 11:00 मेरा बूथ सबसे मजबूत विषय पर भोपाल में बूथ स्तरीय 7000 कार्यकर्ताओं के सामने बात रखेंगे और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। इस कार्यक्रम को वर्चुअल रुप से प्रत्येक मंडल में मंडल के प्रमुख पदाधिकारियों एवं बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं द्वारा देखा और सुना जाएगा जिसके लिए दुर्ग जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा की अनुमति से विशेष संपर्क अभियान के जिला प्रभारी दिलीप साहू एवं वर्चुअल कार्यक्रम के जिला प्रमुख संतोष सोनी, राजा महोबिया एवं रजनीश श्रीवास्तव ने अतिथि वक्ता एवं कार्यक्रम प्रभारियों की नियुक्ति की है, जो कि निम्नानुसार है :-

गंजपारा सदर मंडल- अतिथि वक्ता संतोष सोनी, कार्यक्रम प्रभारी श्याम शर्मा, कसारीडीह बोरसी मंडल अतिथि वक्ता दीपक चोपड़ा, मंडल कार्यक्रम प्रभारी पोषण साहू, चंडी शीतला मंडल अतिथि वक्ता कांतिलाल बोथरा, कार्यक्रम प्रभारी आसिफअली सैयद, सिकोलाभाटा पटरीपार मंडल अतिथि वक्ता अलका बाघमार, कार्यक्रम प्रभारी मनमोहन शर्मा आदि है।

मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के तहत 39 जोड़ों का विवाह हुआ संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत महिला बाल विकास विभाग के द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के तहत सोमवार को सर्व समाज मांगलिक भवन में विवाह कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें मुख्यमंत्री जी के ओएसडी मनीष बंछोर, महापौर नीरज पाल, मुख्यमंत्री जी की सुपुत्री डॉक्टर श्वेता बघेल, निगम आयुक्त रोहित व्यास, अंताव्यवसायी सहकारी समिति एवं वित्त विकास निगम की उपाध्यक्ष नीता लोधी, सभापति गिरवर बंटी साहू, महापौर परिषद की सदस्य मीरा बंजारे एवं रीता सिंह गेरा आदि ने नए जोड़ों को उनके आगामी सुखद जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

सर्व समाज मांगलिक भवन में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह के कार्यक्रम में 39 जोड़ों का विवाह हुआ और वे सभी आज परिणय सूत्र में बंधे। महापौर नीरज पाल ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना को शासन की महत्वकांक्षी योजना बताया। वही निर्धन परिवार की कन्याओं तथा बेसहारा कन्याओं को भी इस विवाह योजना से लाभ मिलता है। इस योजना में खास बात यह है कि विवाह की संपूर्ण सामग्री जैसे वस्त्र, अलमीरा, पेटी, रैक, बर्तन, ड्रम, कुकर, चांदी, मंगलसूत्र, बिछिया और घड़ी सेट एवं 21000 रुपए चेक के माध्यम से दिया जाता है, इसकी व्यवस्था मुख्यमंत्री कन्या विवाह के अधीन प्रशासनिक तौर पर होती है। मांगलिक भवन के आयोजित कार्यक्रम में 39 जोड़े परिणय सूत्र में बंध गए। मुख्यमंत्री कन्या विवाह के तहत पूरे विधि, विधान से एवं मंत्र उपचार के द्वारा विवाह संपन्न कराया गया।

जनदर्शन में कलेक्टर ने त्वरित कार्यवाही करते हुए छात्रा को छात्रावास में दिलाया प्रवेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने जिले के विभिन्न स्थानों से कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में पहुचें लोगों से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी लेते हुए प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक पहल करने कहा है। आज जनदर्शन कार्यक्रम में 110 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें अवैध कब्जा, बटवारा, आर्थिक सहायता, सीमांकन, स्वामी आत्मानंद स्कूल में प्रवेश, राशन कार्ड से संबंधित आवेदन शामिल है।

कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन लेकर पहुंची दुर्ग निवासी महिला को मिली खुशी जब उनकी दोनों बच्चियों को आत्मानंद स्कूल में प्रवेश दिलाते हुए कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने त्वरित कार्यवाही की। उन्होंने बताया कि उनके पति की मृत्यु हो जाने के पश्चात बच्चों की पढाई करवाने मे आर्थिक रूप से असमर्थ व मानसिक रूप से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

छात्रावास में प्रवेश दिलाने आवेदन लेकर जनदर्शन में पहुंची ग्राम पथरिया निवासी ने बताया कि कु.अनामिका शासकीय कन्या महाविद्यालय में बी.काम की पढ़ाई करने के लिए प्रवेश लिया है। उनके माता-पिता की मृत्यु होने के पश्चात उनकी देखरेख के लिए उनके दादाजी ही है, उनके दादाजी आर्थिक रूप से सक्षम नही है। छात्रा ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास में प्रवेश दिलाने के लिए आवेदन प्रेषित किया। इस पर कलेक्टर ने त्वरित कार्यवाही करते हुए कन्या छात्रावास में प्रवेश दिलाया।

लोहारपारा निवासी पानी निकासी की समस्या को लेकर जनदर्शन पहुंचा धरम कुमार यादव ने नाली निर्माण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि घर के पास गंदा पानी निकासी के लिए कोई नाली नही होने के कारण गंदगी बाहर ही बहते रहता है, जिसके कारण घर के आसपास गंदगी हमेशा बनी रहती है, जिससे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। इसी प्रकार गायत्री मंदिर वार्ड के निवासियों ने भी नाली निर्माण के लिए आवेदन सौपा। निवासियों ने बताया कि बरसात के दिनों में स्टेशन रोड का पानी मोहल्ले के घरों में भर जाता है, जिसका कारण नाली नही होना है। पूर्व में नाली का निर्माण किया गया था, किन्तु अब मकान निर्मित हो जाने के कारण नाली टूट गई है। नाली के अभाव के कारण बरसात का पानी घरों में घूस जाता है। इस पर कलेक्टर ने नगर निगम दुर्ग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम जामगांव एम निवासी कृषि भूमि पर कब्जा किए जाने की शिकायत लेकर पहुंचे कृषक ने बताया कि ग्राम के ही अन्य व्यक्ति द्वारा मेरे कृषि जमीन में कब्जा कर लिया गया है, जिसकों हटाने के लिए मेरा आवेदन तहसील कार्यालय पाटन, न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी पाटन, न्यायालय आयुक्त दुर्ग संभाग द्वारा मेरे पक्ष में आदेश पारित किया गया, किन्तु संबंधित व्यक्ति द्वारा अब तक मेरे जमीन से कब्जा नही हटाया गया है। इस पर कलेक्टर ने उक्त भूमि पर कृषक को मालिकाना हक दिलवाने के लिए तहसीलदार पाटन का तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सीए ब्रांच भिलाई द्वारा एक दिवसीय पियर रिव्यू प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सीए ब्रांच भिलाई द्वारा एक दिवसीय पियर रिव्यू प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सीए भवन सिविक सेंटर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री अवार्डी फिल्म सुपर 30 फेम आनंद कुमार उपस्थित रहे, इस दौरान उन्होंने अपने अनुभव साझा किये और सीए सदस्यों के कार्य को महत्वपूर्ण बताते हुए उनके कार्यों को सराहा। ब्रांच द्वारा उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सीए अनुज गोयल उपस्थित थे। वहीं वक्ता के रूप में सीए आयुष जैन, व सीए नकुल अरोड़ा उपस्थित रहे। ब्रांच चेयरमेन सीए पायल नवीन जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि पियर रिव्यू में सीए सदसय दूसरे सीए सदस्यों की फर्म का

ऑडिट करते हैं और् जो भी प्रक्रियाएं हैं, उनकी जानकारी देते हैं। इसी क्रम में आज एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन ब्रांच में किया गया, जिसमें वक्ताओं द्वारा सभी सदस्यों को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि पद्मश्री आनंद कुमार ने कहा कि चार्टर्ड एकाउंटेंट्स का कार्य बहुत ही महत्वपूर्ण है और सराहनीय है। आज के समय में कोई भी व्यक्ति बिना सीए की मदद के अपने वित्तीय प्रबंधन को ठीक से नहीं चला सकता। उन्होंने आगे कहा कि भारत में पहली बार मुझे किसी सीए संस्था द्वारा कार्यक्रम में बुलाया गया है जो कि मेरे लिए बहुत हर्ष का विषय है। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते बताया कि मुझे शुरूआत से ही पता था कि अच्छे वित्तीय प्रबंधन के लिए आपको हमेशाा एक सीए की आवश्यकता होती है इसलिए मैंने अपने शुरूआती दौर से ही जब मेरी इनकम कम थी तब से ही सीए अप्वाइंट कर उनका सहयोग ले रहा हूं। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित सेंट्रल काउंसिल मेंबर व पियर रिव्यू बोर्ड के चेयरमेन सीए अनुज गोयल ने पियर रिव्यू के संबंध में आवश्यक जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि यह महत्वपूर्ण कार्य है जिसमें एक सीए सदस्य, दूसरे सीए सदस्य की फर्म का ऑडिट करता है इसलिए इसमें बहुत ही बारिकी से जांच की आवश्यकता होती है। किसी भी प्रकार की अनियमितता न हो, इसका विशेष ध्यान दिया जाना जरूरी है। इस दौरान मुख्य रूप से उपाध्यक्ष सीए राहुल बत्रा, सचिव सीए अंकेश सिन्हा, सीए प्रदीप पाल, सीए नवीन जैन, सीए राकेश ढोढी, सीए पदम बरड़िया, सीए हर्ष जैन मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बीएसपी को अंतर्विभागीय संगीत प्रतियोगिता 2023 पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय अंतर्विभागीय संगीत प्रतियोगिता-2023 का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह 24 जून 2023 को संपन्न हुआ। इस समापन समारोह के मुख्य अतिथि, मुख्य महाप्रबंधक संदीप माथुर थे।

विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक सूरज कुमार सोनी थे। इसके अलावा श्रीमती पूजा माथुर, उप महाप्रबंधक एस आर जाखड़, सहायक प्रबंधक अभिजीत भौमिक मंचासीन थे। इस अवसर पर निर्णायक मणिमय मुखर्जी, श्रद्धा कश्यप, श्रीमती जॉली सेन, अभिषेक चतुर्वेदी, डी के टंडन, श्रीमती रिंकी देवांगन संगीतकार दिलीप शर्मा, दीपेन हालदार, भालचंद्र शेगेकर, भागवत साहू, देबब्रत मजुमदार, बी बी परगनिहा, सतीश सिन्हा, टीकम साहू, दीपांकर दास, आयोजक दुष्यंत हरमुख, पी टी उल्लास कुमार, रणमीत सिंह, कार्यक्रम उद्घोषक सुप्रियो सेन, संयोजक प्रभंजय चतुर्वेदी, क्रीड़ा सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्मिक सहित विभिन्न प्रतिभागी एवं अन्य गायन प्रेमी भी उपस्थित थे। ज्ञात हो कि इस प्रतियोगिता में कुल 327 प्रतिभागी सम्मिलित थे। जिसका उद्घाटन दिनांक 20 जून 2023 को महात्मा गाँधी कलामंदिर, इंदिरा प्लेस, सिविक सेंटर में किया गया था। प्रतियोगिता में पुरुष हिंदी गायन के प्रथम स्थान पर शिखर शर्मा, द्वितीय स्थान पर गुरुनाथ, तृतीय स्थान पर अलंकार समद्दर विजेता रहे, मुकाबीर खान और सुनील शर्मा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। महिला हिंदी गायन के प्रथम स्थान पर तान्या, द्वितीय स्थान पर मधुरिमा रे, तृतीय स्थान पर सुश्री मंजीता एवं चतुर्थ स्थान पर सुमित्रा देवांगन रहीं। पुरुषों के गैर हिंदी गायन हेतु प्रथम स्थान पर गोविंद, द्वितीय स्थान पर सुनील शर्मा, तृतीय स्थान पर गुरुनाथ एवं चतुर्थ स्थान पर तिलक वर्मा और अमित भंडारी ने अपनी जगह बनाई। महिलाओं का गैर हिंदी गायन में प्रथम स्थान पर मंजीता, द्वितीय स्थान पर मधुरिमा रे, तृतीय स्थान पर तान्या एवं चतुर्थ स्थान पर भास्वोति रहीं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950